हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, रविवार 14 जुलाई 2024

09 मुख्यमंत्री के सामने दो भाजपा नेता हुए आमने-सामने

10 सरकारी डाक्टर कल करेंगे दो घंटे की पेन डाउन हड़ताल

BABA MASTNATH UNIVERSITY

Asthal Bohar, Rohtak-124021 (Haryana)

(Unique Blend of Science and Spirituality)

Mahant Balaknath Ji Yogi
Chancellor, BMU

Awarded With India's Best Quality Award

New Normal 2023 Education Leadership Summit & Awards New Delhi 21st-22nd July
Outstanding University in Innovative Teaching and Learning Practices 2023

150+ Acres Land | 80+ Programmes | 15000+ Students | 5200+ Placed Student | 65+ Yrs. In Education | 25000+ Regi. Alumni | 500+ Faculty | 50+ Departments | 1800+ Res. Paper Published

ADMISSIONS OPEN 2024-25

Get upto 100% Scholarship

NEP 2020 Syllabus | Internship & Placement Support | Skill Enhancing Courses

PROGRAMMES OFFERED

FACULTY OF ENGINEERING

B.Tech.-Computer Science and Engg.
- -AIML
- -Data Science
- -Cyber Security
- -IOT & Blockchain
- -Comp. Animation & Gaming

B.Tech.-Civil Engg.
- -Transportation Engg.
- -Structural Engg.

B.Tech. (Mechanical Engg.)
B.Tech. (Electronics & Comm. Engg.)
M.Tech. (Computer Science and Engg.)
M.Tech. (Civil Engg.)
- -Transportation Engg.
- -Structural Engg.

FACULTY OF HUMANITIES

B.A. (Bachelor of Arts)
B.A. (Bachelor of Arts) Hons. with Research
B.A. (Bachelor of Arts) English (Hons.)
B.A. J.M.C.
B.A. J.M.C.- Hons. with Research
B.Lib. & Info. Science
Shastri
M.A.-Hindi
M.A.-English
M.A.-History
M.A.-Pol. Sc.
M.A.-Economics
M.A.-Education
M.A.-Sociology
M.A.-Pub. Admin.
M.A.-Geography
M.A.-J.M.C.
M.A.-Sanskrit
M. Lib. & Info. Science
DIPLOMA
- -Leadership & Management
- -Guidance & Counselling
- -Early Childhood Care & Education

FACULTY OF PHARMACY

D. Pharm.
B.Pharm.
M.Pharm.-(Pharmaceutics)
M.Pharm.-(Pharmacology)

FACULTY OF AYURVEDA

BAMS -Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery

FACULTY OF PHYSIOTHERAPY

BPT (Bachelor of Physiotherapy)
B.Sc.-Medical Lab Technology
B.Sc.-Ophthalmic Technology
MPT-Sports
MPT-Neurology
MPT-Orthopaedics
MPT-Cardiothoracic & Pulmonary Disorder

FACULTY OF SCIENCES

B.Sc.-(Hons.) Agriculture
B.Sc.-Mathematics
B.Sc.-Hons. in Mathematics
B.Sc.-Physics
B.Sc.-Hons. in Physics
B.Sc.-Chemistry
B.Sc.-Hons. in Chemistry
B.Sc.-Bio-Technology
B.Sc.-Hons. in Bio-Technology
B.Sc.-Home Science
B.Sc.-Hons. in Home Science
B.Sc.-Physical Sciences
B.Sc.-Physical Sciences with Major Mathematics
B.Sc.-Physical Sciences with Major Physics
B.Sc.-Physical Sciences with Major Chemistry
B.Sc.-Life Sciences
B.Sc.-Life Sciences with Major Botany
B.Sc.-Life Sciences with Major Zoology
B.Sc.-Life Sciences with Major Chemistry
M.Sc.-Physics
M.Sc.-Chemistry
M.Sc.-Botany
M.Sc.-Zoology
M.Sc.-Bio-Technology
M.Sc.-Mathematics
M.Sc.-Home Science

FACULTY OF MGT. AND COMM.

BBA
- -Digital Marketing & Sales
- -IT with AI-ML
- -Marketing
- -HR Management
- -Finance
- -International Business
- -Entrepreneurship
- -Hons. With Research

MBA
- -IT with AI-ML
- -Marketing
- -HR Management
- -Finance
- -International Business
- -Entrepreneurship

B.Com
- -General
- -Professional-CA Stream
- -Professional-CS Stream
- -Hons. With Research

M.Com.

BCA
- -General
- -Data Science
- -AI & ML
- -Graphics & Animation

MCA
- -General
- -Data Science
- -AI & ML
- -Graphics & Animation

Newly Introduced Programmes:-

- B.Sc. -(Hons.) Agriculture
- B.Sc. -Medical Lab Technology
- B.Sc. -Optometry

FACULTY OF LAW

B.A. LL.B. - (5 Years Integrated Programme)
LL.B. - (3 Years)
LL.M. - (2 Years)

FACULTY OF NURSING

***ANM** - (2 Years)
***GNM** - (3 Years)
Post Basic B.Sc. Nursing -(2 Years after GNM)

Ph.D.-Available in All Streams

WHY TO CHOOSE BMU

- ✓ Unique Blend of Science and Spirituality
- ✓ Quality Education at Affordable Fee
- ✓ Multi-disciplinary and Holistic Education
- ✓ Skill Development Programmes
- ✓ Research Projects in UG and PG Programs
- ✓ Innovation, Start-ups and Incubation Centre
- ✓ Indian Knowledge System Courses
- ✓ Office of International Student Affairs
- ✓ Youth Skilling and Competitive Examination Centre
- ✓ Training and Placement Facilities
- ✓ UNO Academic Impact Membership

SALIENT FEATURES

- » Wi-fi Campus
- » 24x7 Electricity
- » Well stocked Libraries
- » Well equipped Laboratories
- » Separate Hostel for Boys/Girls
- » Air-Conditioned Auditorium
- » NCC, NSS, & Youth Red Cross Units
- » Hospitals having modern Equipments
- » CCTV Enabled Safe & Secure Campus

Scan to visit website

ESCORTS | sona | CAPARO FASTENERS | HNG | TATA CONSULTANCY SERVICES | SURYA | भारतीय सेना | Infosys | HCL | MARUTI SUZUKI

+91-9053066636, 8683888830/31/32 || www.bmu.ac.in

खबर संक्षेप

पीएमश्री स्कूल में किया पौधरोपण

नारनौल। पीएमश्री कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में प्राचार्य शीला देवी की अध्यक्षता व जिला एनएसएस कोऑर्डिनेटर चरण सिंह, कार्यक्रम अधिकारी धर्मसिंह के नेतृत्व में उपायुक्त के आह्वान पर चलाए जा रहे एक पौधा मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी रमेश चंद्र आर्य ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

देवकीनंदन देवा बने बसपा नांगल चौधरी के विस अध्यक्ष

नारनौल। बहुजन समाज पार्टी नांगल चौधरी की विधानसभा स्तरीय बैठक रविदास मंदिर में आयोजित की गई। जिसमें संगठन का वस्तिार करते हुए देवकीनंदन देवा को विधानसभा अध्यक्ष, राजेश कुमार महासचिव, विनोद कुमार बहुजन वालिंटियर फोर्स संयोजक व बलकेश सिंह आईटी संयोजक मनोनीत किए गए। जिला अध्यक्ष प्रमोद कटारिया ने पार्टी चह्नि के पटके पहनाकर नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया।

अभियान के तहत पूर्व मंत्री ने किया पौधरोपण

नारनौल। पूर्व मंत्री एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष करण देव कंबोज ने एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत नई कचहरी के पीछे पार्क में पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से पौधरोपण के लिए जो मुहिम चलाई जा रही है इस मुहिम का हस्सिा बनकर अधिक से अधिक पौधरोपण करें। साथ ही उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि जो भी पौधारोपण करते हैं उसकी बड़े होने तक देखभाल जरुर करें।

यदुवंशी में हुआ अध्यापक अभिभावक सम्मेलन

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में शनिवार को अध्यापक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें अभिभावकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई तथा संबंधित अध्यापकों से मिलकर अपने बच्चों की प्रगति रिपोर्ट ली एवं वद्यिालय प्रबंधन के समक्ष अपने सुझाव प्रस्तुत किए। वद्यिालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार ने सभी अभिभावकों का वद्यिालय में पधारने के लिए धन्यवाद किया तथा कहा कि प्रतियोगिता के इस दौर में अभिभावकों को भी जागरूक होकर वद्यिालय तथा अध्यापकों के साथ तालमेल बिठाना चाहिए।

एनईपी पर एक दिवसीय टीचर ट्रेनिंग सेमिनार

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुंगारका में नई शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए शिक्षक को आधुनिक तकनीकी शिक्षा में प्रयोग करते हुए व कक्षा में पढ़न पदत्ति को लागु करने के बारे में अवगत कराया व बच्चों की स्कील डवलपमेंट के लिए ट्रेनिंग दी गई। इस सेमिनार में ट्रेनर स्वेता सिंह ने एनईपी एनसीएफ व 21वीं शताब्दी में बच्चों को किस तरह से पढ़ाना है इस विषय पर सभी स्कूल के शिक्षकों को ट्रेनिंग दी।

नेताजी सुभाष बोस समिति ने किया पौधरोपण

नारनौल। जल महल के सौंदर्यकरण को आकर्षक व खुशनुमा बनाने तथा पर्यावरण को बेहतरीन बनाने के संदर्भ में पूर्व प्राचार्य एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति के व्यवस्थापक सज्जन सिंह यादव की अगुवाई में वहां पर चंपा व चमेली के पौधों का पौधारोपण किया गया। यह कार्य जल महल मैनेजर की अनुमति से किया गया। पूर्व प्राचार्य ने बताया कि यह दोनों पौधे सजावट के साथ साथ औषधीय गुण भी रखते हैं।

ग्रामीणों को जल बचाने के लिए किया जागरूक

कनीना। उपमंडल के गांव सुंदरह में शनिवार को जल बचाने को लेकर जल चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता ग्राम सरपंच कबूलबाई ने की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण व्यर्थ में जल न बहाएं। अत्यधिक भूजल दोहन से पानी की समस्या बढ़ सकती है। खंड संसाधन संयोजक मोहित कुमार ने पेयजल सप्लाई को सुचारू रूप से करने के लिए जल कर्मियों को जरूरी बातें बताई। उन्होंने पानी की शुद्धता व गुणवत्ता की जांच करने के तौर तरिके बताए।

आरती राव बोली, मन में दो हलके, प्राथमिकता अटेली

जो लोग हवा के बल टिकट लेकर आएंगे उनका समर्थन नहीं : राव इंद्रजीत सिंह

लोकसभा के चुनावों में उल्टी हवा चल रही थी तो महेंद्रगढ़ जिले के लोगों ने हवा का रूख बदला: राव इंद्रजीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह अटेली में स्वागत करते हुए।

मंडी अटेली। सभा में उपस्थित जनसमहू। फोटो : हरिभूमि

कनीना। सेहलंग में आयोजित सभा में मंचासीन केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, सांसद चौ. धर्मबीर सिंह व अन्य। फोटो : हरिभूमि

केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह के सम्मान में अटेली में शुक्रवार को अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सांसद चौधरी धर्मबीरसिंह, विधायक सीताराम यादव व आरती राव समेत राव के समर्थक व सभा के संयोजक हैफेड के प्रशासक छोटेलाल चेयरमैन, नपा के पूर्व चेयरमैन विकास यादव, बाछौद पैक्स चेयरमैन दिनेश जेलदार व सतबीर सरपंच विशेष रूप से मौजूद रहे। सभा में आरती राव ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि विधानसभा चुनाव के लिए उसके मन में दो सीटें हैं, जिसमें अटेली पहले नंबर पर है। राव के समर्थक चेयरमैन विकास यादव व वक्रिम सरपंच ने राव के ईमानदारी व उनके द्वारा अहीरवाल में किए गए कार्यों की खूब सराहना की। केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि लोकसभा के चुनावों में उल्टी हवा चल रही थी तो महेंद्रगढ़ जिले के लोगों ने हवा का रूख बदला। चौ. धर्मबीर भिवानी क्षेत्र से हार कर आया, लेकिन महेंद्रगढ़ जिले के लोगों ने उसकी बात को माना। उसके बाद के नेताओं व सांसदों को मंत्रीमंडल में कैबिनेट का दर्जा दिया गया। नये-नये लोगों की जेब में पैसे आने पर विधानसभा के लिए तैयारी कर रहे हैं। पंचकूला में पहले ही प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विधानसभा के चुनाव लड़ने का फैसला कर चुके हैं, लेकिन वह भी टिकट बांटने वाली कमेटी का सदस्य है, इसलिए उन्हीं, युवा नेताओं समर्थन करेंगे, जो लोगों के लिए कार्य करने वाले है। अब समय आ गया है कि पुरानी पीढ़ी को लांग कर नई पौध लगाने की आवश्यकता है। देश में युवाओं की संख्या 60 प्रतिशत है। इसलिए युवाओं को टिकट में उसकी तरफ से तवज्जो दिया जाएगा। लोकसभा के छठे चरण में भाजपा की कमजोरी दिखने लग रही थी, लेकिन अहीरवाल की जनता ने उसकी बात को माना। वह पिछले दिनों हांसी, हिसार जाने पर वहां के लोगों ने कहा कि आप बड़े नेता होने के बावजूद आपके कद के अनुसार मंत्रीमंडल में उचित स्थान नहीं मिला।

राव इंद्रजीत सिंह ईमानदार व्यक्तिव के धनी हैं

16 जुलाई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह महेंद्रगढ़ में भाजपा को पनपाने के लिए आ रहे हैं, लेकिन यह तो बताना सभा में भारतीय जनता पार्टी के कितने कार्यकर्ता व पदाधिकारी हैं, जरा हाथ खड़ा करके बताएं, इस सभा में केवल उसके समर्थकों ने गांव-गांव जा कर लोगों का आमंत्रण दिया। सभा में सांसद धर्मबीर ने कहा कि राव इंद्रजीत सिंह ईमानदार व्यक्तिव के धनी है। राव साहब के परिवार ने देश व समाज के लिए कार्य किया है। लोग राजनीति में पैसा कमाने के लिए आ रहे हैं, लेकिन राव साहब ने इलाके की जनता के लिए कार्य किए हैं। विधायक सीताराम यादव ने कहा कि राव साहब दक्षिणी हरियाणा के मजबूत नेता है। इस मौके पर आरती राव ने कहा कि विधानसभा के चुनाव के लिए कार्यकर्ता कमर कस ले। वह दो स्थानों से विधानसभा के चुनाव लड़ने के लिए मन बना रही है, जिसमें अटेली पहले नंबर पर है।

4 माह बाद विधानसभा चुनाव, अहीरवाल से होकर गुजरता है सीएम बनने का रास्ता

कनीना। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने सेहलंग में जनसभा को शनिवार संबोधित करते हुए कहा कि आज उनके प्रति सहानुभूति की लहर चली हुई है। जनता के हितों को उठाने वाले रामपुरा हाउस के वजीर के दिल में टीस है। इस दौरान उनके संबोधन के बीच जनता ने हरियाणा का सीएम कैसा हो, राव इंद्रजीत सिंह जैसा हो के नारे लगाए तो माहौल एकदम बदली हो गया। इस बीच चौधरी धर्मबीर सिंह को लोकसभा चुनाव में जिताने पर जनता का आभार जताने सेहलंग आए राव इंद्रजीत सिंह ने एक तीर के कई निशाने साधे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि कई बार नेताओं से भी गलती हो जाती है, वे सोचते कुछ हैं तथा हो जाता है कुछ और। एक नेता वो होता है जो पार्टी की हवा हो तो जीत जाता है और एक वो होता है जो पार्टी की हवा न होते हुए भी जीत जाता है, क्योंकि जनता उनके साथ होती है। कहने का मतलब इस बार हरियाणा में पार्टी की हवा कमजोर थी, उसके बावजूद वे चौधरी धर्मबीर सिंह जीते हैं। नायब सिंह सैनी को प्रदेश का मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है। उनके नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि 45 साल की राजनीति में बहुत कुछ सीखा है। भीतरघात का शिकार भी हुए हैं। 45 साल की राजनीति के अंदर लोकसभा सदस्य के रूप में 2004 के अंदर भी केंद्रीय राज्य मंत्री थे और आज भी राज्य मंत्री हैं, जबकि वे छह बार लोकसभा के चुनाव जीते हैं। उनके जूनियर कैबिनेट मंत्री बन गए। 20 वर्ष तक केंद्रीय राज्यमंत्री रहकर रिकार्ड तोडा है। हरियाणा विधानसभा के चुनाव में चार माह का समय है, लेकिन सीएम बनने का रास्ता अहीरवाल से होकर गुजरता है। आप लोग एमएलए ऐसा बनाए जो दुम हिलाउ न हो। उन्होंने कहा कि आपके हितों को जो ऊपर उठाएगा, विस टिकट के लिए उसकी सिफारिश की जाएगी। उन्होंने कहा कि बीते समय हरियाणा में पार्टी के 10 सांसद थे जो जनता की आवाज उठा सकते थे। उनका वश्विास भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौ. धर्मबीर सिंह के प्रति था। जिसे जनता का आशीर्वाद मिला। उन्होंने कहा कि नेता किसी सरकार में मंत्री होता है तो सदन में सवाल नहीं उठा सकते थे, लेकिन विधायक सवाल पूछ सकते थे। जनता की दृष्टि में बेदाग छवि के नेता राव इंद्रजीत सिंह केंद्रीय मंत्रीमंडल में कैबिनेट मंत्री के रूप में होने चाहिए थे या हरियाणा में मुख्यमंत्री पद पर विराजमान होने चाहिए।

अतेंद्र यादव का दावा, भीमराव अंबेडकर समिति का मिला समर्थन

नारनौल। विधानसभा चुनाव नजदीक है। ऐसे में कांग्रेस टिकट की दावेदारी जता रहे सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अतेंद्र यादव ने भी गांवों में दौरे शुरू कर दिए है। उनका दावा है कि गांव पटीकरा में डा. भीमराव अंबेडकर समिति का भारी समर्थन मिला। समिति के सदस्यों ने अतेंद्र यादव का स्वागत करते कहा कि अगर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने अतेंद्र यादव को टिकट दी तो क्षेत्र की जनता उनको पूरा आशीर्वाद देते हुए भारी मतों से जीताकर चंडीगढ़ भेजेगी। समिति ने कहा कि अतेंद्र यादव जमीन से जुड़े हुए नेता है व लोगों के सुख दुख मे बराबर के भागीदार रहते है। क्षेत्र की जनता के हितों की रक्षा अतेंद्र यादव ही कर सकते है। उधर, समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए अतेंद्र यादव ने कहा कि ग्रामीणों ने उनका जो मान सम्मान किया है उसको कभी नहीं भूलेंगे तथा समय आने पर लौटाएंगे।

जुगेंद्र का नामदेव समिति का प्रधान बनना तय

नारनौल। श्री नामदेव समाज समिति की शनिवार को कार्यकारिणी चुनाव के लिए नामांकन वापसी के अंतिम दिन प्रधान पद के लिए जुगेंद्र वर्मा का अकेला नाम रह गया है। इस प्रकार उनका प्रधान चुने जाना तय माना रहा है। प्रधान पद के लिए एक अन्य उम्मीदवार देवीचंद वासी मोहल्ला चांदुवाड़ा ने भी नामांकन दाखिल किया था, जिनके नामांकन को चुनाव समिति ने अवैध एवं अस्वीकृत घोषित कर दिया गया। प्रधान पद के लिए जुगेंद्र वर्मा एवं देवीचंद के दो ही नामांकन आए थे। उल्लेखनीय है कि श्री नामदेव समाज समिति के चुनाव 28 जुलाई को होने थे तथा गत नौ जुलाई से नामांकन प्रक्रिया शुरू की गई थी। 12 जुलाई नामांकन छंटनी तथा 13 जुलाई नामांकन वापिसी की तिथि तय की गई थी।

सीईटी पास युवाओं ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

- युवाओं ने सरकार पर उनकी अनदेखी करने का आरोप लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। वश्विवद्यिालय में सीएम से मिलने का इंतजार करते युवा।

सीईटी पास युवाओं ने शनिवार को हरियाणा केंद्रीय वश्विवद्यिालय में मुख्यमंत्री नायब सैनी को एक ज्ञापन सौंपा हैं। वहीं युवाओं ने सरकार पर उनकी अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए बताया कि भाजपा नेताओं ने उन्हें सीएम मिलने का आश्वासन दिया था। उनके आश्वासन पर वह सीएम से मिलने के लिए आए थे, लेकिन आज युवा सीएम के समक्ष अपनी बात नहीं रख पाएं। युवाओं ने मुख्यमंत्री को सौंपे ज्ञापन में बताया कि तीन लाख 58 हजार सीईटी पास अभ्यार्थी तीन वर्षों से अपनी सीईटी मेंस परीक्षा देने का इंतजार कर रहे हैं। परंतु सीईटी पोस्ट वाइज पॉलिसी से केवल दस से 12 हजार युवा ही परीक्षा देंगे और यही युवा हर पोस्ट के लिए रिपिट होंगे। जिससे 32 हजार ग्रुप सी व छह हजार पद हरियाणा पुलिस में यहीं बच्चे रिपिट होंगे, जिससे पद खाली रहे जाएंगे। इससे तीन लाख 46 हजार बच्चे परीक्षा देने से वचिंत रहे जाएंगे। इससे इनका भवष्यि अंधकारमय हो जाएगा। इसके अलावा एक्स सर्विस मैन पॉलिसी में कॉलम एच कर वजह से सारे एक्स सर्विसमैन सीईटी मेंस की परीक्षा नहीं दे पाएंगे। उनका कंपीटीशन रेगुलर बच्चों से करवा रहें हैं। जिससे एक्स सर्विस मैन का भवष्यि भी अंधकारमय हो जाएगा। इस पॉलिसी की वजह से कंपीटीशन खत्म हो जाएगा और मेंस एग्जाम की वैल्यू खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी मांग है कि तीन लाख 58 हजार अभ्यार्थी केवल परीक्षा में बैठने की अनुमति मांग रहें हैं। सीईटी क्वालिफाई की वजह से सारे मामले हल हो जाएगे। इस अवसर पर सुनील कुमार, अनिल कुमार, मनीष यादव, बंटी, गौरव, अभिषेक यादव, दीपक यादव, मोनू, सूर्यदेव व रोहित आदि मौजूद थे।

35400 की मांग के लिए लिपिकों ने फिर भरी हुंकार

नारनौल। कलेरिकल एसोसिएशन वैलफेयर सोसायटी के जिलाध्यक्ष दिनेश देवास ने बताया कि सरकार क्लर्कों को 35400 रुपये सेलरी देने से वादाखिलाफी कर रही है। इसके विरोध में राज्य प्रधान बलजीत जून के नेतृत्व में सात जुलाई को करनाल में राज्य स्तरीय विरोध प्रदर्शन के उपरांत कलेरिकल एसोसिएशन वैलफेयर सोसायटी के डेलीगेशन द्वारा मुख्यमंत्री नायाब सैनी से मुलाकात कर उन्हें लिपिकीय वर्ग की मांगों से अवगत करवाया गया था और उन्हें मांगों के संबंध में एक ज्ञापन भी दिया गया था। मुख्यमंत्री की बातों पर वश्विास करके हमारा डेलिगेशन 10 जुलाई को मुख्यमंत्री से मिलने गया, लेकिन वह नहीं मिले। उनकी जगह पर प्रधान सचिव खुल्लर से मिले, लेकिन उनका नजरिया किसी भी रूप में कर्मचारियों के प्रति सकरात्मक नहीं था।

पेपर बैग मेकिंग में स्नेहा ने मारी बाजी

- पोस्टर मेकिंग में राधे प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी । फोटो : हरिभूमि

राजकीय महावद्यिालय में शनिवार को एनसीसी यूनट्सि की ओर से पेपर बैग डे मनाया गया। कार्यक्रम का नर्दिेशन एनसीसी अधिकारी ड. मीना कुमारी व डा. भारत भूषण ने किया। जिसकी अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्या डा. पूर्ण प्रभा ने की। कार्यक्रम में पेपर बैग व पोस्टर मेकिंग, प्लास्टिक के उत्पादों को पुनः उपयोग करने के लिए कार्यशाला व प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें महावद्यिालय की प्राचार्या डा. पूर्ण प्रभा ने एनसीसी कैडेट्स को प्लास्टिक का उपयोग न करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक के उपयोग करने के कारण कई गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। पेपर बैग मेकिंग प्रतियोगिता में स्नेहा प्रथम, कार्तिक शर्मा द्वितीय व ईशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में राधे प्रथम, अनुष्का द्वितीय व कोमल सैनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के बाद कार्यक्रम के अंत में यूथ रेडक्रॉस व पर्यावरण नोडल अधिकारी डा. चंद्र मोहन के सानध्यि में पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई। इस मौके पर उपप्राचार्य डा. जगजीत सिंह मोर, डा. हवासिंह, डा. नरेश, डा. महेंद्र सिंह मुदगिल आदि मौजूद रहे।

कौशल रोजगार के तहत लगे कर्मियों को 4 माह से सैलरी नहीं, रोष

नारनौल। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन (संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा) जिला कमेटी महेंद्रगढ़ ने सिंचाई विभाग में कौशल रोजगार निगम के तहत लगे कर्मचारियों की सैलरी अप्रैल 2024 से लगभग चार महीने से सैलरी न मिलने पर रोष प्रकट करते हुए 15 जुलाई को उपायुक्त के माध्यम से ज्ञापन देने का नर्णिय लिया है। जिला प्रधान सुनील यादव व जिला सचिव विजेंद्र फौजी ने कहा कि सैलरी न मिलने के कारण कर्मचारियों में भारी रोष है। कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति चरमरा गई है। कर्मचारी भूखे मरने के कगार पर पहुंच गए हैं। खाना खाने ही नहीं, बच्चे शिक्षा से वंचित होने की कगार पर हैं।

क्रीमिलेयर की आय सीमा बढ़ाकर ओबीसी वर्ग को दी सौगात

नारनौल। भाजपा ओबीसी मोर्चा की वस्तिारित जिला कार्यकारिणी ओबीसी मोर्चा की बैठक सरस्वती गार्डन में शनिवार हुई। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष करण देव कंबोज ने कहा कि क्रीमीलेयर की आय सीमा को छह लाख से बढ़कर आठ लाख करना नायब सरकार की पिछड़ा वर्ग को नायाब सौगात है। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग की वर्षों पुरानी मांगों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 23 जून को मंजूर कर ओबीसी वर्ग का दिल जीत लिया। कंबोज ने कहा कि 23 जून को मुख्यमंत्री ने जहां क्रीमीलेयर की आय सीमा बढ़ाई। वहीं विशेष भर्ती अभियान की ओर से ओबीसी श्रेणी की रक्ति पड़ी सीटों को प्राथमिकता के आधार पर भरने की घोषणा की है। इस मौके पर को ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष अरुण मंढाना, जिला महामंत्री मिंटू जांगड़ा, जिला उपाध्यक्ष व ओबीसी मोर्चा जिला प्रभारी किशन लाल सैनी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सरिता जांगिड़ व माडूराम सैनी, कुलदीप यादव अटेली मौजूद रहे।

आईजीयू परीक्षा परिणाम में छात्रा मनीषा ने पाया विश्वविद्यालय में चौथा स्थान

- एकता पुत्री वीरेंद्र कुमार ने वश्विवद्यिालय में पांचवां स्थान प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। यदुवंशी स्कूल की छात्राएं।

हाल ही में इंदिरा गांधी वश्विवद्यिालय मीरपुर की ओर से गणित ऑनर्स के दूसरे सेमेस्टर व चौथे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें कॉलेज की छात्रा मनीषा पुत्री सदानंद ने वश्विवद्यिालय में चौथा स्थान हासिल किया। वहीं एकता पुत्री वीरेंद्र कुमार ने वश्विवद्यिालय में पांचवां स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्ति अन्य वद्यिार्थियों का परिणाम भी बहुत ही सराहनीय रहा। कॉलेज प्रिंसिपल बजरंग लाल ने बताया कि नए सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार मेधावी वद्यिार्थियों के लिए छात्रवृत्ति के साथ दाखिलों के लिए अभिभावकों का रूझान सकारात्मक बना हुआ है। इस उपलक्ष्य में यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने सभी वद्यिार्थियों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी। इस अवसर पर डायरेक्टर सुरेश यादव, डा. प्रदीप यादव, उपप्राचार्या डा. सोनल यादव व सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

अरविन्द यादव ने 32 महिलाओं को प्रमाण पत्र किए वितरित

देश के आर्थिक विकास में अहम भागीदारी निभाते हैं स्वरोजगार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। प्रमाण पत्र के साथ प्रशिक्षणार्थी व आयोजक। फोटो : हरिभूमि

पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान नसीबपुर में चल रहे जनरल ईडीपी के तहत सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चंडीगढ़ से उप महा प्रबंधक अरविन्द यादव ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत कर 32 महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए।

उन्होंने कहा कि पंजाब नेशनल बैंक बैंकिंग कार्य के अलावा अपने सामाजिक दायत्वि का भी बखूबी नर्विहन करता है। देश के आर्थिक विकास में स्वरोजगार अहम भागीदारी निभाता है। इसी परप्रिेक्ष्य में समाज के गरीब तबके के बेरोजगारों, महिलाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्वावलंबी बनाकर मुख्यधारा में जोड़ने के लिए सतत प्रयासरत रहता है। यही नहीं प्रशिक्षण के बाद उनको विभन्नि बैंकों के माध्यम से वत्तिीय सहायता उपलब्ध करवाने के लिए एक सेतु का काम करता है।

इसके अलावा प्रशिक्षण के बाद भी लगातार दो वर्षो तक उनकी समीक्षा भी करता है। इस अवसर पर संस्थान निदेशक एचआर सभरवाल ने बताया कि सीखना जीवन की एक सतत प्रकिया है और सीखना हमेशा जारी रखना चाहिए। यहां से प्रशिक्षण के पश्चात एक छोटी इकाई से अपने उद्योग की शुरूआत करके आप सफल उद्यमी बन सकते हो। स्वरोजगार के बिना किसी भी देश अथवा राष्ट्र की समग्र विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। मुख्य अग्रणी जिला प्रबन्धक विजय सिंह ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही सभी महिलाओं से आह्वान किया कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपने कौशल से जल से लेकर थल तक आसमान से लेकर जमीन तक अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। इसलिए खासकर महिलाओं को स्वरोजगार के क्षेत्र में बढ़ चढ़कर अपनी सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।

खबर संक्षेप

न्यू श्याम कॉलोनी में सुंदरकांड पाठ आज

नारनौल। श्री बांके बिहारी सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार रात को न्यू श्याम कॉलोनी बाल भवन के पीछे सुंदरकांड पाठ किया जाएगा। जिसमें में मुख्य यजमान सुभाष संघी जी होंगे। अध्यक्षता श्री बांके बिहारी जी भगवान करेंगे। इस अवसर पर बालाजी महाराज का दरबार रंग बिरंगी लाइटों व फूलों से सजाया जाएगा। समिति प्रवक्ता सुरेन्द्र जैन ने बताया कि सुंदरकांड पाठ व जागरण में शहर व बाहर से आए हुए गायक कलाकार सुंदरकांड पाठ व बालाजी महाराज का गुणगान करेंगे।

श्रीश्याम महोत्सव 20 जुलाई को

नारनौल। रेवाड़ी रोड पर सीएल फार्म हाउस में 18 जुलाई को श्रीश्याम बाबा का संकीर्तन महोत्सव किया जाएगा। जिसमें कलकता के कारीगरों की ओर से बाबा का भव्य दरबार सजाया जाएगा।। कार्यक्रम में श्रीश्याम बाबा को रिझाने समस्तीपुर बिहार से बाबा की लाड़ली रेशमी शर्मा, जयपुर से अभिषेक नामा, फरीदाबाद से नितिन श्याम दीवाना, वेद वशष्ठि बाबा को अपने मीठे भजनों से रिझाने आएंगे।

अध्यापक-अभिभावक की बैठक का आयोजन

सतनाली मंडी। यदुवंशी सतनाली में शनिवार को अध्यापक अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें वद्यिालय में पढ़ने वाले वद्यिार्धियों के अभिभावकों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर अभिभावकों का तिलक व बैज लगाकर उनका स्वागत किया गया। कक्षा नर्सरी से बारहवीं तक के वद्यिार्थियों की रिपोर्ट अध्यापकों ने अभिभावकों को सांझा की।

1100 पौधे लगाकर दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

नारनौल। स्लम एरिया टैलेंट नारनौल की टीम ने शनिवार को गांव आजम नगर सिहार में 1100 पौधे शमशान भूमि, महादेव मंदिर पहाड़ी और दादी सती माता प्रांगण में लगाए। वहीं टीम के सदस्यों ने गांव के लोगों को संदेश देते हुए कहा कि आमजन भी एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाएं, ताकि बाद में ये पेड़ मां की तरह ही आपकी सुरक्षा करें। संस्था के संस्थापक हनी गुप्ता ने बताया कि टीम ने 1100 पेड़ लगाने का जो लक्ष्य रखा था उसे आज पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा कि जिंदगी के हर मोड़ पर वृक्ष की अहम भूमिका होती है।

पूर्व शिक्षामंत्री ने बौखलाहट में पूर्व जिला अध्यक्ष का बताया कांग्रेसी

मुख्यमंत्री के सामने दो भाजपा नेता हुए आमने-सामने

पूर्व जिला अध्यक्ष ने जताया ऐतराज, विवाद होता देख सीएम ने किया हस्तक्षेप

महेश कुमार ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम स्थल की ओर जाते सीएम नायब सिंह सैनी। *फोटो : हरिभूमि*

केंद्रीय वश्विवद्यिालय में शनिवार को सीएम नायब सैनी के सामने महेंद्रगढ़ विधानसभा से टिकट के दो दावेदारों आमने सामने हो गए। पूर्व शिक्षामंत्री रामबिलास शर्मा ने बौखलाहट में पूर्व जिला अध्यक्ष कंवर खातोद को कांग्रेसी नेता कह दिया। पूर्व जिला अध्यक्ष कंवर सिंह खातोद ने सीएम के सामने ही पूर्व शिक्षा मंत्री की इस प्रतक्रिया पर ऐतराज जताया। विवाद होता देख सीएम ने हस्तक्षेप कर मामले को शांत किया। बता दें 16 जुलाई को बीसी सम्मान समारोह का आयोजन होना है, जिसमें गृहमंत्री अमित शाह मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। शनिवार को सीएम नायब सिंह सैनी कार्यक्रम स्थल का जायजा तथा पार्टी के पदाधिकारियों की बैठक लेने के लिए पहुंचे थे। सीएम नायब सैनी के स्वागत के लिए हैलीपैड पर सभी नेता खड़े हुए थे तथा सीएम का स्वागत किया जा रहा था। जब भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष ने सीएम नायब सिंह सैनी को गुलदस्ता दिया तो पूर्व शिक्षामंत्री रामबिलास शर्मा ने कहा कि ये कंवर सिंह यादव है तथा आजकल कांग्रेस में हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं इनको जानता हूं। वहीं पूर्व जिला अध्यक्ष ने पूर्व शिक्षामंत्री की प्रतक्रिया का जवाब देते हुए कहा कि वह लंबे समय भाजपा में है तथा पार्टी के सच्चे सिपाही हैं। इसी दौरान पूर्व शिक्षामंत्री ने पूर्व जिला अध्यक्ष पर वर्ष 2019 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस विधायक राव दानसिंह की मदद करने का आरोप लगाया। विवाद बढ़ता देख सीएम नायब सिंह सैनी ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया।

दोनों हैं टिकट के दावेदार

पूर्व शिक्षामंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा इस समय पार्टी के सबसे बड़े चेहरे माने जाते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में पूर्व शिक्षामंत्री को चुनाव में हार का सामना करना पड़ था। वहीं पूर्व शिक्षामंत्री ने लगातार बढ़ती उम्र भी टिकट में रोड़ा बन सकती है। वहीं पूर्व जिला अध्यक्ष पिछले कुछ वर्षों से लगातार पार्टी से दग्गिज नेताओं से संपर्क बनाए हुए हैं। पूर्व जिला अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ संगठन में लंबे समय तक काम कर चुके हैं। कंवर सिंह यादव पूर्व मुख्यमंत्री के माध्यम से विधानसभा की टिकट की आस लगाए बैठे हैं। वर्ष 1995 में जब पूर्व जिला अध्यक्ष मंडल महामंत्री थे, उस समय मुख्यमंत्री मनोहर लाल संगठन मंत्री थे तथा वर्ष 2014 में जब कंवर सिंह खातोदा जिला अध्यक्ष बने उस समय भी मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर प्रदेश के संगठन मंत्री हुआ करते थे।

दोनों नेता है एक-दूसरे के प्रतद्विंदी

पूर्व शिक्षामंत्री रामबिलास और पूर्व जिला अध्यक्ष कंवर सिंह यादव एक दूसरे के राजनीतिक प्रतद्विंदी माने जाते हैं। पिछले वर्ष पूर्व जिला अध्यक्ष कंवर यादव की ओर से महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकाली थी। इस तिरंगा यात्रा को अन्य भाजपा नेताओं ने निजी तिरंगा यात्रा बताकर दूरी बना ली थी। वहीं एक यात्रा से एक दिन पहले शहर के उनके पोस्टर तक हटा दिए गए थे। अक्सर इन दोनों नेताओं को एकसाथ एक जगह बहुत कम बार देखा जाता है।

यदुवंशी के विद्यार्थियों ने सीए इंटर परीक्षा की उत्तीर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

यदुवंशी शक्षिा निकेतन से शक्षिा प्राप्त वद्यिार्थियों ने सीए की इंटर परीक्षा उत्तीर्ण कर वद्यिालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। ज्ञातव्य हो कि सीए (चार्टेड अकाउंटेंट) एक प्रतष्ठिति पद है, जिसमें आज देश-विदेश की तमाम बड़ी कंपनियों में फाइनेंस, अकाउंट्स और टैक्स डिपार्टमेंट में फाइनेंस मैनेजर, अकाउंट मैनेजर, फाइनेंशियल एनालस्टि, मैनेजिंग डायरेक्टर, ऑडिटर, फाइनेंशियल कंट्रोलर आदि जैसे पदों पर काम करते हैं। सभी वद्यिार्थियों ने 12वीं कक्षा यदुवंशी से पास की है तथा वद्यिालय के एलुमनाई रहे हैं। डायरेक्टर राजेंद्र सिंह यादव एवं विजय सिंह यादव ने सभी प्रतिभाशाली वद्यिार्थियों को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि बढ़ती अर्थव्यवस्था ही देश की तरक्की तय करती है। अतः आज कॉमर्स जैसे संकाय के वद्यिार्थियों की महता सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि ये सभी विद्यार्थी कॉमर्स संकाय के लिए प्रेरणा स्रोत रहेंगे। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव एवं चेयरपर्सन संगीता यादव ने वद्यिार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि देश व विदेश की प्रत्येक कंपनी श्रेष्ठ ऑडिटिंग के माध्यम से ही आगे बढ़ती है जिस कार्य को सीए बखूबी निभाते हैं। यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने सभी वद्यिार्थियों, कर्मठ प्राध्यापकों एवं अभिभावकों को बधाई देते कहा कि सभी सफलता प्राप्त वद्यिार्थी सीए बनकर पूरी ईमानदारी से देश की उन्नति में अपना-अपना योगदान निभाएंगे। प्राचार्य पवन यादव, हैड अरवद्रिं यादव, सुंदर सुहाग, नरेंद्र यादव, नवीन स्वामी, निशा यादव सहित सभी शक्षिकों ने वद्यिार्थियों को बधाई दी। 14 महेंद्रगढ़। सीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले यदुवंशी स्कूल के वद्यिार्थी।

जीएल की छात्रा दिव्या मत्तिल को मिली सीए फाइनल परीक्षा में कामयाबी

महेंद्रगढ़। जीएल पब्लिक स्कूल कनीना की छात्रा दिव्या मत्तिल पुत्री हेमंत मत्तिल ने द इंस्टीट्यूट आफ चार्टेड एकाउन्टेंट्स आफ इंडिया की ओर से सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण की है। छात्रा दव्या मत्तिल ने अपनी पढ़ाई जीएल पब्लिक स्कूल कनीना में कक्षा एलकेजी से लेकर कक्षा बारहवीं कामर्स संकाय से की हैं। छात्रा ने बारहवीं कक्षा में कामर्स संकाय में 94 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की थी। छात्रा के पिता हेमंत कुमार जो कि एक बिजनेसमैन है। छात्रा की इस सफलता पर पूरे कनीना कस्बे में खुशी की लहर है। इस अवसर पर वद्यिालय के प्रधानाचार्य राजेन्द्र कुमार शर्मा ने छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि सीए की परीक्षा पास करना बहुत ही कठिन कार्य है, क्योंकि इस परीक्षा का पास प्रतिशत मात्र एक से दो प्रतिशत रहता है। जो कि यह देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में एक है। जिसे इस छात्रा ने उत्तीर्ण कर दिखाया है। स्कूल प्राचार्य ने बताया कि इस परीक्षा को पास करने के बाद वत्तिीय गाइड से लेकर वत्तिीय सलाहकार, बिजनेस एकाउटिंग बैंक आडिट, टैक्स प्लानिंग आदि सभी कार्य सीए का ही होता है। उन्होंने बताया कि छात्रा ने सोशल मीडिया से दूरी बनाई और अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान रखा। हमारे विद्यालय के पहले भी अनेक छात्रों ने अलग-अलग परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर अपने माता-पिता और स्कूल का नाम रोशन किया है।

सीएल स्कूल में अध्यापक अभिभावक बैठक आयोजित

नारनौल। सीएल पब्लिक स्कूल में शनिवार को पीटीएम का आयोजन किया गया। जिसमें अधिकतम उपस्थिति देखी गई और स्कूल के सुचारू संचालन व प्रगति के लिए अभिभावकों में उत्साहपूर्ण रूचि प्रदर्शित हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य एक साझा मंच बनाना था। जहां शक्षिक व माता पिता एक साथ आकर छात्र के प्रदर्शन पर चर्चा करें तथा उनके सीखने के अनुभव को और अच्छा करने के तरीके खोजें। शक्षिकों ने अभिभावकों को पिरीयोडिक परीक्षा के दौरान उनके बच्चों के प्रदर्शन के बारे में जानकारी दी। स्कूल माता पिता व शक्षिकों के बीच बेहतर समझ पैदा करने का प्रयास करता है। इस अवसर पर सुझाव पेटी भी रखी गई। जिसमें बच्चों के साथ आए माता पिताओं ने अपने सुझाव दिए। इसके साथ ही तीसरी से आठवीं के बच्चों की ओर से ग्रीष्मकालिन अवकाश में बनाए गए हर विषय के प्रोजेक्टों की प्रदर्शनी की। इन बच्चों की मेहनत को देखकर अभिभावक बहुत खुश हुए। प्राचार्य रवन्द्रि यादव ने बताया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य माता पिता को बच्चों के प्रति जगरूक करना व उनके बच्चें की प्रत्येक क्रिया कलाप की जानकारी देना है, ताकि बच्चे और उनके माता पिता उनकी प्रगति में अध्यापकों का सहयोग कर सकें।

आरपीएस स्कूल के अंशुल ने सीए फाइनल व नौ विद्यार्थियों ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की

- देश की उन्नति में सीए विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान : चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। सीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्ट्ड अकाउटेंटस ऑफ इण्डिया द्वारा सीए की परीक्षा का परिणाम घोषित किया, जिसमें आरपीएस विद्यालय महेन्द्रगढ़ के अंशुल ने सीए फाईनल कोर्स कम्पलिट किया एवं इसके साथ-साथ आरपीएस स्कूल के 9 विद्यार्थियों ने परीक्षा परिणाम में सफलता अर्जित करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस अपार खुशी में आरपीएस विद्यालय में अभिभावक, शिक्षक व विद्यार्थी एक-दूसरे को बधाई देकर खुशी का इजहार करते नजर आए।

इस खुशी के मौके पर आरपीएस संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व संस्था के सीईओ मनीष राव, विद्यालय प्रिंसिपल डॉ. किशोर तिवारी एवं पीजीटी विंग हैड देवेन्द्र पुनिया ने बधाई देते हुए कहा कि तकनीकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतिहास रचने के साथ-साथ आज विद्यार्थी संस्था में वाणिज्य में भी विभिन्न परीक्षाओं में इतिहास रच रहे हैं। वाणिज्य के क्षेत्र में सीए की परीक्षा देश की प्रतिष्ठित परीक्षाओं में शुमार है। छात्रा सुरभी, प्रिया, दिपांशु, उदय प्रताप सिंह, अंजली, मोहित अग्रवाल, भविष्य, तरूण कुमार एवं कृष गोयल ने सफलता अर्जित कर अभिभावकों, शिक्षकों का नाम रोशन किया। आरपीएस विद्यालय आज अभिभावकों के सपनों को साकार करने के लिए दृढ संकल्पित है। देश की सबसे बड़ी परीक्षा सीए के परीक्षा परिणाम में 9 विद्यार्थियों का एक ही संस्था से चयन होना अपने आप में बहुत बड़ी बात है। विद्यालय के उप-प्रधानाचार्य दिनेश कुमार, डीन एलएन गौड़, कॉमर्स विभागाध्यक्ष शिव कौशिक, विंग हैड अमित कुमार, जिले सिंह, प्रितिका, अनिता अहलावत, विजेता कौशिक, मुकेश यादव, नीरज भारद्वाज एवं शमशेर सिंह ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हरियाणा प्राइमरी टीचर एसो. के चुनाव 15 जुलाई को

नारनौल। हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन के राज्य कार्यकारिणी की एक बैठक राज्य अध्यक्ष हरिओम राठी की अध्यक्षता में कुरुक्षेत्र में आयोजित की गई। जिसमें जिला महेंद्रगढ़ की ओर से जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार नंगली ने भाग लिया। इस बैठक में कृष्ण कुमार नंगली ने संगठन के सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से 15 जुलाई को जिला महेंद्रगढ़ कार्यकारिणी के चुनाव करवाने की मांग की। जिस पर राज्य कार्यकारिणी से सहमति बनी। जिला महेंद्रगढ़ संगठन के सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से 15 जुलाई को खंड शक्षिा अधिकारी कार्यालय प्रांगण में दोपहर 3:30 बजे कार्यकारिणी पुनर्गठन का नर्णिय लेकर राज्य कार्यकारिणी को सूचना दी गई। इस पर सहमति जताते हुए राज्य कार्यकारिणी ने संदेश भेजा है कि उपयुक्त समय पर चुनाव पर्यवेक्षक पहुंच जाएंगे। जिला प्रेस सचिव संजय सेका ने बताया कि यह संगठन प्राइमरी शक्षिकों का एक रजस्टिर्ड संगठन है।

बीएससी मैथ्स आनर्स के दूसरे सेमेस्टर में यदुवंशी के छह विद्यार्थियों ने टॉप-10 स्थान पर किया कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। परीक्षा पास करने वाले वद्यिार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी की और से बीएससी मैथ्स आनर्स के दूसरे और चौथे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें यदुवंशी डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने टॉप-10 के प्रथम छह स्थान पर कब्जा किया। वही मैथ्स आनर्स के चौथे सेमेस्टर में पांचवें और सातवें स्थान पर टॉप-10 में स्थान हासिल कर इन विद्यार्थियों ने न केवल अपना नाम रोशन किया, बल्कि अपने माता-पिता के साथ यदुवंशी कॉलेज का भी नाम रोशन किया। मैथ्स आनर्स के दूसरे सेमेस्टर की प्रीति पुत्री सुरेश कुमार ने 86.9 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं दूसरे स्थान पर तनीषा पुत्री रोशनलाल ने 86.9 प्रतिशत, तीसरे स्थान पर चेतना पुत्री सतीश ने 86.4 प्रतिशत, चौथे स्थान पर मनीषा पुत्री सदानंद ने 85.5 प्रतिशत, पांचवें स्थान पर संजना पुत्री योगेंद्र ने 85.2 प्रतिशत। इसके अलावा पुनीत शर्मा पुत्र रमेश शर्मा ने 80 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में अपना नाम रोशन किया। वहीं चौथे सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में एकता पुत्री वीरेंद्र कुमार ने 88.1 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में पांचवा स्थान पर कब्जा जमाया। खुशी पुत्री मुकेश जैन ने 86.4 प्रतिशत अंक लेकर सातवें स्थान पर रहकर पूरे विश्वविद्यालय में अपना तथा अपने माता-पिता का नाम रोशन किया। चेयरमैन पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने मैथ्स आनर्स के सभी विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि यह परीक्षा परिणाम आपका उत्कृष्ट प्रदर्शन आपकी कड़ी मेहनत और प्रतिभा का प्रमाण है। डायरेक्टर राजेंद्र यादव, निदेशक विजय सिंह यादव, डॉ. प्रदीप यादव, प्राचार्य बबरूभान मैथ्स आनर्स के विभागाध्यक्ष के साथ-साथ है यदुवंशी कॉलेज के समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों को इस अच्छे परीक्षा परिणाम पर बधाई दी।

मॉडर्न विद्यालय में हुई बेस्ट आउट आफ वेस्ट प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते वद्यिार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भोजावास में गणित प्रश्नोत्तरी व बेस्ट आउट आफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ये दोनों प्रतियोगिता सदन स्तर पर वरिष्ठ, कनिष्ठ व उपकनिष्ठ वर्ग में करवाई गई। गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान गंगा सदन ने तथा दूसरा स्थान कृष्णा सदन ने प्राप्त किया। कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान यमुना सदन ने तथा दूसरा स्थान गंगा सदन ने प्राप्त किया। उपकनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान गंगा सदन ने तथा दूसरा स्थान यमुना सदन ने प्राप्त किया। इसी प्रकार बेस्ट आउट आफ वेस्ट प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान गंगा सदन ने व दूसरा स्थान कावेरी सदन ने प्राप्त किया। कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान यमुना सदन ने व दूसरा स्थान कावेरी सदन ने प्राप्त किया।

उप कनिष्ठ वर्ग वर्ग में प्रथम स्थान गंगा सदन ने व दूसरा स्थान यमुना सदन ने प्राप्त किया। इन दोनों प्रतियोगिता में प्रथम व दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले सदनों के प्रतिभागियों को संस्था निर्देशक राजकुमार यादव व हवासिंह यादव द्वारा प्रोत्साहित किया गया। इन प्रतियोगिता के समापन पर संस्था निर्देशक राजकुमार यादव ने बताया कि हमारे विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ समय-समय पर अन्य सहगामी क्रियाओं का आयोजन भी करवाया जाता है। हमारा उद्देश्य यह है कि विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास हो। मौके पर प्रबंधन समिति सदस्य मनोज कुमार, नवीन कुमार, सोनिका यादव, प्राचार्य अनिल कुमार, डीएड विभागाध्यक्ष हरिओम वर्मा, बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर दुबे, जेपी यादव, वरिष्ठ अध्यापक राकेश, रामसिंह, हेमंत कुमार, वरिष्ठ अध्यापिका शकुंत शहरावत, रिंकू यादव आदि उपस्थित रहा।

कोरियावास रोड के पास स्वर्ग आश्रम में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

नर नारायण सेवा समिति ने स्वर्ग आश्रम में किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। कोरियावास रोड के पास स्वर्ग आश्रम में पौधरोपण करते हुए।

नर नारायण सेवा समिति की ओर से शनिवार कोरियावास रोड के पास स्वर्ग आश्रम में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इसकी अध्यक्षता समिति प्रधान रामसिंह मधुर ने की। समिति प्रधान राम सिंह मधुर ने कहा कि पौधारोपण का सबसे आम और ज्ञात उद्देश्य वानिकी है। पृथ्वी के पर्यावरण के पारस्थितिक संतुलन को बनाए रखने के लिए वन बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा पहले वन के लिए वन बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा पहले वन पृथ्वी की सतह के एक बड़े हस्सि को कवर करते थे लेकिन अब उद्योगों और बस्तियों के लिए भूमि के कारण वनों की तेजी से कटाई के कारण वनों की संख्या कम हो गई है। इसके अलावा जंगल प्राकृतिक रूप से बढ़ते हैं लेकिन वनीकरण की गति को बढ़ाने के लिए इसमें हमारा योगदान बहुत जरूरी है। साथ ही इससे वनों को वनों की कटाई से होने वाले नुकसान से उबरने में मदद मिलेगी। इसके अलावा हमारी मदद में पौधारोपण की गति को भी बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि हम इस तरह के पौधे शहरों या शहरी इलाकों में लगाते हैं। इसमें से ज्यादातर इलाकों में पेड़ पौधे नहीं होते। इसके अलावा पेड लगाने से ये इलाके रहने लायक बन जाते है। साथ ही इससे शहर का माहौल भी ज्यादा सहने लायक हो जाता है। इसके अलावा यह एक अच्छा अहसास प्रदान करता है और जगह को रहने लायक बनाता है। यह आसपास के वातावरण को सुंदर बनाने का सबसे आसान तरीका है। पेड़ अक्सर पार्क, बगीचे, स्वर्ग आश्रम, सड़क के किनारे, सोसायटी और हमारे घर के बगीचे में सुधार के उद्देश्य से लगाए जाते हैं। वरष्ठि नागिरक संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा ने कहा कि पौधारोपण में युवाओं को भागीदार बनना चाहिए। उन्हें अपने, अभिभावक या दोस्तों के जन्म दिन या अन्य खुशी के मौकों पर पौधारोपण करना चाहिए। इस मौके पर समिति उपप्रधान श्याम सुंदर शर्मा, सचिव मास्टर सत्यवीर, अंध वद्यिालय ट्रस्ट प्रधान मुखराम सैनी, पर्यावरण संरक्षण कृष्ण अवतार, प्राचार्य नेतराम सैनी, सैनी सभा पूर्व सचिव सतीश सैनी, हिमांशु सैनी व प्रिंस सैनी मौजूद रहे।

एचपीएस स्कूल के पेरेंट ऑरिएंटेशन प्रोग्राम में अभिभावकों ने अध्यापकों से की मुलाकात

नारनौल। एचपीएस स्कूल में शनिवार को पेरेंट ऑरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी से दूसरी तक के अभिभावकों ने अध्यापकों से अपने बच्चों की जानकारी सांझा की। उन्होंने बच्चों से संबंधित उनकी आदतों व व्यवहार के बारे में उनके अध्यापकों को जानकारी दी तथा पढाई से संबंधित उनकी समस्याओं से भी अध्यापकों को रूबरू करवाया। प्राइमरी हेड सोनल चौबे ने अभिभावकों को बताया कि बच्चों की खाने की, बातचीत करने की, पढ़ाई का रूटीन, हाइजीन संबंधित, घर पर बच्चे के व्यवहार आदि से संबंधित जानकारियां उनके अध्यापकों को होनी जरूरी है, जिससे बच्चों के व्यवहार अनुरूप विद्यालय में भी बच्चों का ख्याल रख सके तथा उनके व्यवहार में सुधार कर सकें। अभिभावकों ने बच्चों की पढ़ाई संबंधित समस्याओं की भी अध्यापकों से चर्चा की। विद्यालय डीन मनोज भारद्वाज व प्राचार्य सुनील यादव ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन से अध्यापकों व अभिभावकों के बीच समन्वय स्थापित होता है, जिससे विद्यार्थियों को सुगमता पूर्वक अध्ययन के साथ मौलिक ज्ञान भी दिया जा सकें। एमडी डा. हितेश वर्मा व निधि वर्मा ने अभिभावकों से मुलाकात कर विद्यार्थियों की जानकारी ली तथा समस्याओं के सुधार करने के निर्देश दिए। डायरेक्टर पुष्कारमल वर्मा ने अभिभावकों से कहा कि अपने बच्चों की किसी भी अन्य बच्चे से तुलना ना करें तथा बच्चे की क्षमता अनुसार उसके व्यक्तित्व का विकास करने में विद्यालय का सहयोग करें।

नारनौल। बैठक में भाग लेते अध्यापक अभिभावक।

प्रदेश सरकार का परिवार पहचान पत्र पोर्टल ठप, 6 दिन से नहीं हो रहे फैमिली आईडी में मोबाइल नंबर दर्ज

■ फैमिली आईडी बनी नागरिकों के लिए मुसीबत, फैमिली आईडी ने नागरिकों की रात को बनाया दिन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्रदेश में फैमिली आईडी को लेकर सरकार बहुत सतर्क है। सभी योग्य नागरिकों को योजनाओं का लाभ मिले इसलिए फैमली आईडी को अलग करने का ऑप्शन भी एक्टिव कर दिया गया है। पहले 10 दिन नागरिकों को सीएससी सेंटरों पर फैमिली आईडी को अलग करवाने के लिए बहुत भीड़ देखी गई लेकिन सर्वर नहीं चलने की वजह से लोगों को निराश होकर जाना पड़ता था। उस समय सर्वर केवल रात के समय ही चलता था। बीते छह दिनों से अलग फैमिली आईडी का सर्वर चल गया लेकिन फैमली आईडी अलग होने के बाद नई आईडी में मोबाइल दर्ज करने जरुरी है वरना नई फैमिली आईडी नंबर जनरेट नहीं होते है। इससे नागरिकों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के मुताबिक पहले लम्बे परिवारों की फैमिली आईडी बनने की वजह से इनकम अधिक दिखाई गई थी। जिसकी वजह से गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों का बीपीएल कार्ड नहीं बन पा रहा था। इसकी वजह से लोग परेशान हो रहे थे। जिसको देखते हुए सरकार ने विभाग से अलग फैमिली आईडी बनाने का ऑप्शन खुलवाया ताकि अधिक से अधिक लोग सुविधा अनुसार अपनी फैमिली आईडी

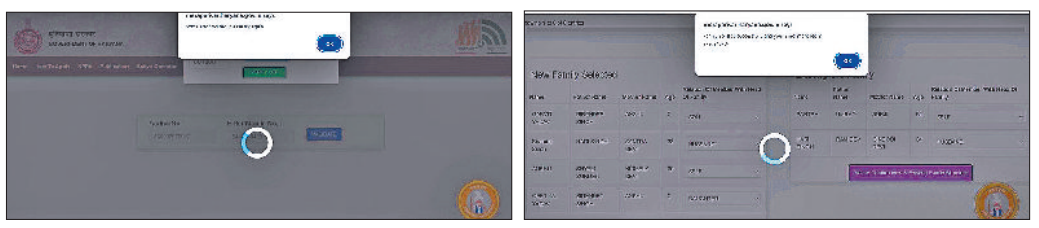

नारनौल। फैमिली आईडी पोर्टल मोबाइल नंबर दर्ज करते समय एरर व फैमिली आईडी अलग करते समय टोकन नंबर। फोटो : हरिभूमि

अलग बनवा सके।

अलग फैमिली आईडी बनाने पर दो या इससे अधिक आईडी जनरेट हो जाती है तो नियमानुसार प्रत्येक फैमिली आईडी में अलग अलग मोबाइल नंबर दर्ज होना अनिवार्य है। वरना सभी फैमिली आईडी डुप्लीकेट मोबाइल नंबर के एरर में दर्ज हो जाती है। जिसकी वजह से पुरानी व नई फैमिली आईडी दोनों रद्द होने का खतरा हो जाता है। जिससे फैमिली आईडी से कोई भी कार्य नहीं होते है। गौतम सैनी, संजय कुमार, नवीन भूषण, राजबीर, राजेश कुमार, प्रीतम कुमार व दीक्षांत ने बताया हमें फैमिली आईडी अलग करवाए पांच दिन से अधिक हो गए लेकिन फैमिली आईडी में फोन नहीं बदले जा रहे है। जिसकी वजह से फैमिली आईडी से कोई भी कार्य नहीं हो रहे है।

दाखिले में हो रही परेशानी

इन दिनों बच्चों के कॉलेज दाखिला प्रक्रिया चल रही है। जिससे बच्चों को वित्तीय वर्ष के अनुसार आय प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र की जरुरत होती है। दस्तावेजों को एडमिशन समय कॉलेज में जमा करवाना होता है। उसके बाद ही कॉलेज एडमिशन कन्फर्म होता है। लेकिन परिवार की अलग फैमिली आईडी बनवाने की वजह से नई फैमिली चालू नहीं हो रही है। इससे बच्चों को एक साल खराब होने का डर सता रहा है। बच्चों ने सरकार से अपील की है कि दाखिला प्रकिया की तिथि को बढ़ाया जाए।

फसल पंजीकरण में समस्या

फसल पंजीकरण भी हरियाणा सरकार ने फैमिली आईडी से लिंक कर रखा है। किसान को फसल पंजीकरण करते समय फैमिली आईडी दर्ज करना जरुरी होता है। उसके बाद ही पोर्टल में आगे आगे की प्रक्रिया दर्ज होती है। फैमिली ईडी फोन नंबर अपडेट पोर्टल नहीं चलने से किसानों को अपनी फसल दर्ज करवाने में देरी हो रही है।

देर रात पोर्टल चलने की चर्चाएं

अब फैमिली आईडी पोर्टल पर अलग फैमिली आईडी करना आसान हो गया लेकिन अलग फैमिली में फोन नंबर दर्ज करना मुश्किल हो रहा है। लोगों में चर्चाए है कि फैमिली आईडी में फोन नंबर दर्ज करने की साइट देर रात 12 बजे चलती है। इससे सरकार के फैमिली आईडी की सुविधा लेने अब नागरिकों को रात को दिन बनाना पड़ेगा। जिसकी वजह से सीएससी संचालक भी अधिक चार्ज वसूल रहे है। इससे नागरिकों को परेशानी हो रही है।

यूजी में दाखिले के लिए 554 विद्यार्थियों ने करवाई फीस जमा, 986 अभी रिक्त

मेरिट लिस्ट में शामिल छात्र छात्राओं के पास दाखिला कंफर्म करने के लिए दो दिन और बचे, 17 को फिर ओपन होगा पोर्टल

■ पीजी में कुल 13 कोर्स में दाखिले के लिए 104 विद्यार्थियों ने किया ऑनलाइन आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

कॉलेजों में स्नातक व स्नातकोत्तर में दाखिले के लिए प्रक्रिया जारी है। अभी तक स्नातक में दाखिले के लिए पीजी कॉलेज में कुल 554 छात्र छात्राओं ने फीस जमा करवाकर दाखिला कंफर्म किया है। बता दें कि पीजी कॉलेज में यूजी की छह संकाय की कुल 1540 सीटें स्वीकृत है। ऐसे में अभी कॉलेज में 986 सीटें बचे हुई, जबकि दूसरी मेरिट लिस्ट में शामिल विद्यार्थियों के पास फीस जमा करवाने के लिए दो दिन यानी सोमवार तक का समय बचा हुआ है।

पीजी कॉलेज में शनिवार सायं तक छह संकाय में दाखिले के लिए कुल 554 विद्यार्थियों ने फीस जमा करवाई है। जिसमें

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन। फोटो : हरिभूमि

बीए में सबसे अधिक 234 विद्यार्थी व सबसे कम बीबीए में मात्र 19 विद्यार्थियों ने फीस जमा करवाकर दाखिला कंफर्म किया है। इसी प्रकार बीकॉम में 52 विद्यार्थियों, बीसीए में 23, बीएससी लाइफ साइंस में 70 व बीएससी फिजिकल साइंस में 156 छात्र छात्राओं ने फीस जमा करवाकर दाखिला कंफर्म किया है। वहीं पीजी कॉलेज में स्नातकोत्तर में दाखिले के लिए कुल 13 कोर्स में अभी तक 104 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया है। उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार विद्यार्थी 25 जुलाई तक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।

हकेंवि में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में दाखिले के चौथी काउंसलिंग 15 जुलाई को

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा कार्यक्रम में दाखिले के लिए चौथी काउंसलिंग 15 जुलाई को होगी। इसके अंतर्गत श्रेणीवार लिस्ट 15 जुलाई को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की जाएगी। इसके लिए 18 जुलाई तक आनलाइन फीस जमा की जा सकती है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन कर रहे डॉ. तेजपाल ढेवा, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय व डॉ. सुशील कुमार ने बताया कि सीयूईटी 2024 के अंतर्गत जारी दाखिला प्रक्रिया में विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए चौथी काउंसलिंग 15 जुलाई को, पांचवी काउंसलिंग 23 जुलाई को तथा छठी काउंसलिंग 29 जुलाई को आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात सीटें रिक्त रहने की स्थिति में दो अगस्त को रिक्त सीटों की जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से नए सत्र के अंतर्गत कक्षाओं की शुरुआत आगामी एक अगस्त से होगी।

15 जुलाई तक होगी फीस जमा

पीजी कॉलेज के दाखिला नोडल अधिकारी डा. सतीश सैनी ने बताया कि दूसरी मेरिट लिस्ट में शामिल विद्यार्थी 15 जुलाई तक फीस जमा करवाकर दाखिला कंफर्म कर सकते है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा विद्यार्थियों को रेडक्रॉस के नाम 100 रुपये की रसीद भी कॉलेज में कटवानी होगी।

झगड़े में घायल युवक की मौत, हत्या का केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव खातीवास में नौ जुलाई को हुए झगड़े में घायल युवक की मौत हो गई है। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। इसके अलावा पुलिस ने मृतक की माता की शिकायत पर एक नामजद सहित अन्य मजद के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक की माता मधुबाला ने पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह गांव खातीवास की निवासी है। उसका पुत्र अभिषेक नौ जुलाई को भीम व अन्य लोगों ने बहला फुसलाकर व आपस में साजबाज होकर खातीवास मोड़ पर शराब ठेके के पास बुला लिया। इसके बाद उपरोक्त लोगों ने उसके पुत्र अभिषेक लाठी_डंडों से पीटकर काफी चोंटे मारी। इसके अलावा उन्होंने षडयंत्र रचकर अंदरूनी चोंटे भी मारी। जिससे उसका पुत्र वहीं पड़ा रहा और बाद में उसके घायल पुत्र को पुलिस कर्मियों ने उसे उठाकर नांगल सिरोही के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस कर्मियों ने उन्हें सूचना दी कि आपके पुत्र को काफी चोटें लगी हुई हैं, इसे संभालो। फिर वह परिवार के अन्य लोगों के साथ ले जाकर अस्पताल गई तो पुत्र अभिषेक ने बताया कि मां आज उसे भीम व उसके साथियों ने मिलकर काफी चोंटे मारी हैं। उसकी हालात काफी खराब हैं, उसे बचा लो वरना वह दो तीन दिन में ही मर जाएगा। फिर वह अपने पुत्र को नागरिक अस्पताल नारनौल में दस जुलाई को लेकर गई, वहां चिकित्सकों ने बताया कि आपके पुत्र को घर ले जाओ, यह ठीक हो जाएगा। वह अभिषेक को घर पर ले आई। अभिषेक ने घर आकर बताया कि वह अभी ठीक नहीं हुआ है, उसे दर्द व पीड़ा हो रही है, बचा लो। फिर वह 12 जुलाई को अभिषेक को सरकारी अस्पताल नांगल सिरोही लेकर गई तो चिकित्सकों ने बेटे को थोड़ी देर बाद मृत घोषित कर दिया और पोस्टमार्टम के लिए महेंद्रगढ़ के नागरिक अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। इसके अलावा पुलिस ने एक नामजद सहित अन्य लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नारनौल। सरकार के खिलाफ लामबंद होते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

सरकारी डाक्टर कल करेंगे दो घंटे की पेन डाउन हड़ताल

नारनौल। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन (एचसीएमएस) ने मांगें पूरी नहीं होने के विरोध में नागरिक अस्पाल में एकजुटता का प्रदर्शन किया और 15 जुलाई को पेन डाउन हड़ताल की जिम्मेदारियां सौंपी।

एचसीएमएस के प्रधान डा. अनिल यादव ने बताया कि सरकार और एचसीएमएस के बीच आपसी सहमति के बाद डाक्टरों ने छह महीने पहले अपना आंदोलन स्थगित कर दिया था। आज तक मानी गई मांगें पूरी नहीं हो पाई हैं। स्पेशलिस्ट काडर, पीजी कोर्स के बांड में कमी, एसएमओ की सीधी भर्ती रोकने और केंद्रीय सरकारी डाक्टरों के समान एसीपी-भत्तों की मांग पूरी नहीं होने पर डाक्टरों में नाराजगी बढ़ी है। डा. यादव ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि छह महीने बाद भी मांगों पर स्थिति जस की तस है। मेडिकल आफिसर के 3900 पदों में से 1100 एसएमओ के 636 पदों में से 250 पद और निदेशक के आठ पदों में से पांच पद खाली हैं। राज्य के सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञों की भारी कमी है, लेकिन स्पेशलिस्ट काडर का प्रस्ताव वित्त विभाग में पिछले चार महीने से अटका हुआ है। पीजी बांड की राशि में कमी का प्रस्ताव भी छह महीने से लंबित है। डाक्टरों के नियमित पदौन्नति की फाइल भी पिछले डेढ़ साल से देरी से चल रही है। यह वास्तव में दुखद है कि डाक्टर (क्लास-वन अफसर) बुनियादी मुद्दों जैसे नियमित पदौन्नति, एसीपी, प्रोबेशन क्लीयरेंस आदि के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उनका शोषण हो रहा है। उन्होंने कहा कि 15 जुलाई वार सोमवार को दो घंटे पेन डाउन हड़ताल होगी। यदि सरकार फिर भी नहीं मानी तो आगामी 26 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर सभी चिकित्सक चले जाएंगे। इस मौके पर महासचिव डा. जगमोहन, मेडिकल सुपरीडेंट डा. सर्वजीत थापर, डा. कृष्ण कुमार, डा. ओपी खिंची एवं डा. होशियार सिंह आदि मौजूद रहे।

ट्रैक्टर की बैटरी चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नारनौल। ट्रैक्टर की बैटरी चोरी करने के मामले में थाना अटेली पुलिस ने एक आरोपित राहुल वासी अटेली को गिरफ्तार किया है। जिससे पूछताछ में बैटरी बरामद की है। शिकायतकर्ता ने आरोपित को मौके से पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपित को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। शिकायतकर्ता कुलदीप वासी गांव नांगल थाना अटेली ने बताया कि कनीना रोड गैस गोदाम के पीछे उसने टाइल फैक्ट्री है। उसने बताया कि 11 जुलाई को वह फैक्ट्री में घुमने गया तो देखा कि फैक्ट्री के गेट पर एक मोटरसाइकिल खड़ी थी, जो उसने अंदर जाकर देखा तो दो लड़के ट्रैक्टर की बैटरी की केबल काटकर चोरी करने का प्रयास कर रहे थे। जिनमें से एक लड़के को पकड़ लिया व दूसरा लड़का वहां से भागने में कामयाब हो गया। जिसके बाद पता चला कि इन्होंने अटेली में ही उसी रात नजदीक एक कॉलोनी से भी एक ट्रैक्टर की बैटरी चोरी की। शिकायतकर्ता ने पुलिस को सूचना दी और उसको हवाले पुलिस कर दिया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

जिले में घटित अलग-अलग घटनाओं में पूर्व सैनिक व मजदूर की मौत

नारनौल। गांव बिहाली में संदिग्ध परिस्थितियों में सीआरपीएफ से रिटायर्ड एक व्यक्ति की मौत हो गई। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने उपरांत गांव में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। जानकारी मुताबिक करीब 53 वर्षीय सुरेश कुमार पुत्र मनभर निवासी गांव बिहाली सीआरपीएफ में नौकरी करता था और सेवानिवृत्ति उपरांत उसने गांव में ही फौजी रेस्टोरेंट एवं ढाबा खोल लिया था। वह शराब का आदी था।

प्रातःकाल को भी वह घर से अपने रेस्टोरेंट पर चला गया था और कुछ देर बाद जब वह घर लौटा, तब वह नशे की हालत में था। घर पर परिवार के अन्य सदस्य भी आए हुए थे, क्योंकि 21 जुलाई को उसकी छोटी बेटी का रिश्ता होना था। घर पर आने उपरांत सुरेश ने अपने कमरे में जाकर सोने की बात कही, लेकिन बाद में वह जगा नहीं और सोया का सोया ही रह गया। तत्पश्चात परिजन उसे नागरिक अस्पताल नारनौल लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों के बयान पर इत्तेफाकिया हादसे की कार्रवाई की है।

दूसरी ओर गांगूताना में क्रेशरों पर काम करने वाले यूपी के एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। करीब 59 वर्षीय ज्ञानेंद्र निवासी रानौली लतीफपुर, दादरी, जिला गौत्तमबुद्ध नगर यूपी निवासी निजामपुर क्षेत्र के गांव गांगूताना में क्रेशर पर काम करता था। सवेरे उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिस पर साथी लोग उसे अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के बेटे लोकेश के बयान पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करा उसे परिजनों के हवाले कर दिया। परिजनों ने शव को यूपी अपने गांव लेकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

तीन पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज

मंडी अटेली। अटेली पुलिस ने एक व्यक्ति की शिकायत पर महिला सहित तीन लोगों पर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव खेड़ी निवासी जयसिंह ने पुलिस में दी शिकायत में कहा कि गत 10 जुलाई को अपने घर से रोड पर घूमने जा रहा था कि तभी रामकिशन, योगेंद्र व नरेश देवी ने चारों तरफ से घेर लिया तथा हाथ में लकड़ी, डंडे व फावडे से मारपीट करने लगे। डायल 112 पर कॉल की पुलिस टीम ने घायल व्यवस्था में अटेली सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकत्सिकों ने प्राथमिक उपचार देकर हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी।

बुजुर्ग की शिकायत पर डीएसपी ने की जांच, फिर 3 नामजद

नारनौल। बुजुर्ग ने कुछ युवकों पर मारपीट व लूटने के इराने से तलाशी लेने का आरोप लगाया। इस मामले की जांच डीएसपी ने की। जांच में सामने आया कि जिन पर आरोप लगा है, उनमें से एक पर तीन केस पहले ही दर्ज है। जिसमें एक केस हत्या आरोप का भी है। जांच पड़ताल के बाद सिटी पुलिस ने आरोपित दीपांशु, सन्नी व राहुल और अन्य नामालूम के खिलाफ आईपीसी की धारा 323,34,341,506 के तहत केस दर्ज किया है। मोहल्ला कोलियान वासी 75 वर्षीय बुजुर्ग हजारीलाल ने आईजी को भेजी शिकायत में बताया कि 15 मई को एक शिकायत सिटी थाना में दी थी। उसमें बताया था कि 12 लड़कों की एक गैंग है जो राहगीरों को लूटते है। महिलाओं को चैन खींच लेते है। चोरी की वारदात करते हैं। इन्होंने 15 मई को करीब साढ़े नौ बजे रास्ता रोककर लूटने के इरादे से उसकी तलाशी ली। छोटा मोटा घरेलू सामान छीनकर फैंक दिया। पैसे नहीं मिलने पर उसकी धुनाई कर डाली। इसकी शिकायत सिटी थाना नारनौल में कर रखी है। वह थाना में चक्कर काटकर थक गया, पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उसके साथ हुई वारदात के बाद इस गैंग ने दो तीन वारदात ओर कर दी है। जिसमें एक बर्तन व्यापारी से छह लाख लूट लिए है। दो महिलाओं की चैन छीन ली। एक युवक को पहचान लिया था। पुलिस ने उस को घर से पकड़ा और यह कहकर आ गए आप को फोन करें तब सिटी थाना आना। मगर अभी तक कोई कार्रवाई पुलिस ने नहीं की। उल्टा यह गैंग बार बार शिकायत वापस लेने के लिए कह रही है वरना अंजाम बुरा होने की बात कह रही है। यह गैंग रात को डंडा तलवार लेकर मौहल्ले में लहराते हुए बाइक पर स्टंड करते निकलते है। जिससे लोगों में खौफ है। इस गैंग को रोकना जरूरी है। जिससे शहर में शांति बनी रहे। इस मामले की जांच डीएसपी सुरेश कुमार ने की। जांच में सामने आया कि यह शिकायत दीपांशु, सन्नी व राहुल वासी खड़खड़ी व उनके अन्य साथियों द्वारा उसका गली में रास्ता रोककर मारपीट करने व धमकी देने की थी। जांच के दौरान शिकायतकर्ता व उतरवादी दीपांशु उपरोक्त को शामिल जांच करके कथन अंकित किए गए। जांच के दौरान दीपांशु से पूछताछ करने पर पाया गया कि दीपांशु के खिलाफ सिटी थाना में तीन अभियोग अंकित है। जिसमें से एक 302 आईपीसी का है। जिससे पाया गया कि दीपांशु अपराधी प्रवृति का व्यक्ति है। इस शिकायत पर केस दर्ज किया जाए।

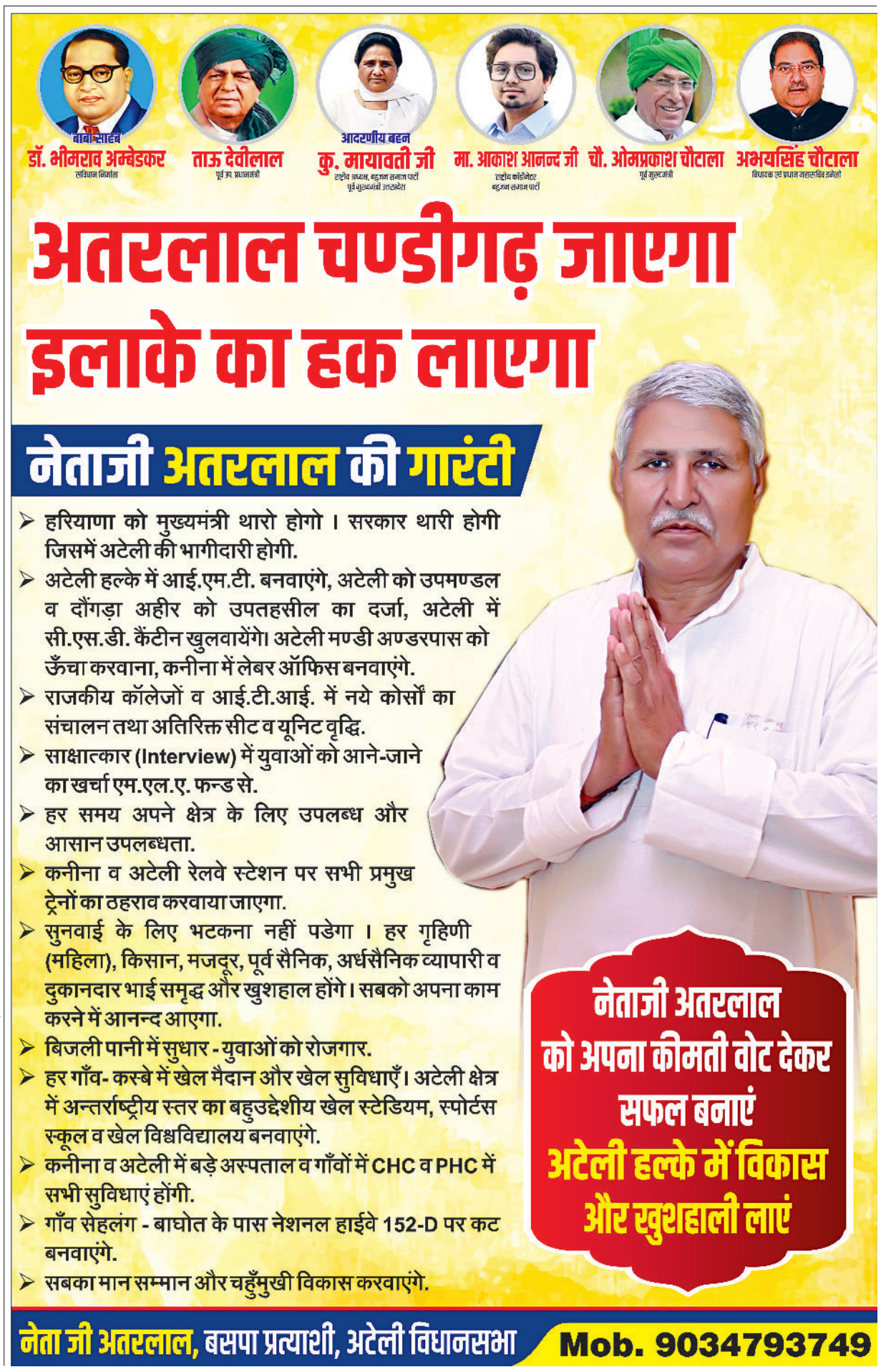

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 14 जुलाई 2024

कुछ समय पहले तक माना जाता था कि अगर हमारा आईक्यू लेवल हाई है तो हम सबसे बुद्धिमान लोगों की श्रेणी में शामिल हैं। फिर इसमें ईक्यू और एसक्यू फैक्टर्स भी जोड़े गए। इन दिनों बुद्धिमत्ता के नए मानक एक्यू की दुनिया भर में चर्चा हो रही है। क्या है यह एक्यू पैमाना और इसे सबसे इंपॉर्टेंट क्यों माना जा रहा है? जानिए, विस्तार से।

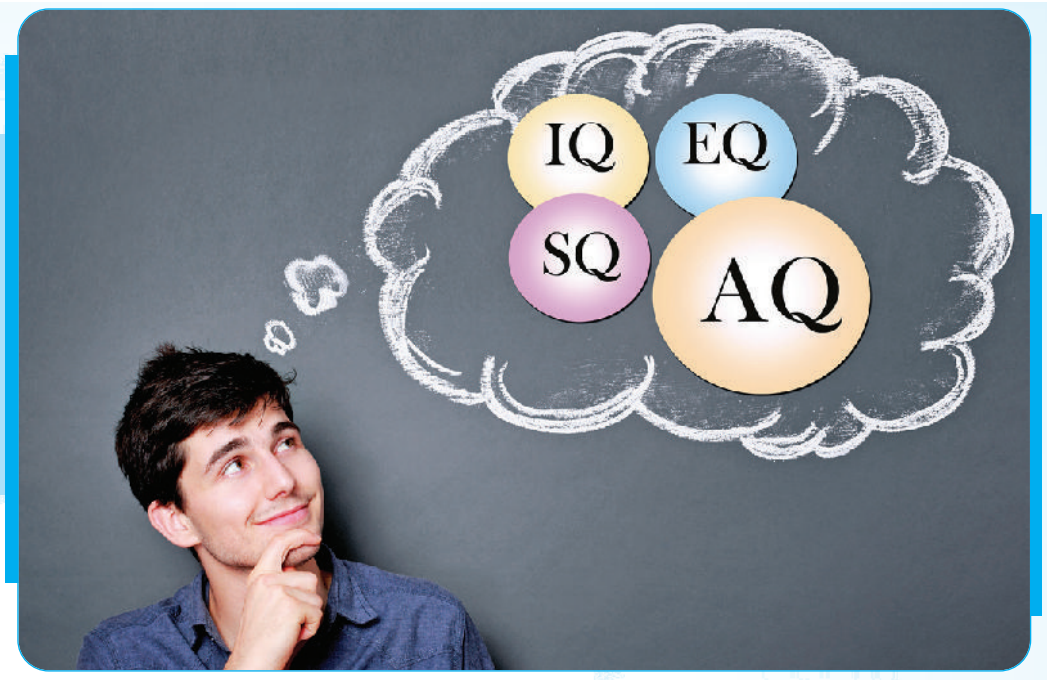

आईक्यू-ईक्यू-एसक्यू से भी इंपॉर्टेंट है हमारा एक्यू

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अगर हम मानते हैं कि अलग-अलग लोगों में उनकी बुद्धि का स्तर अलग-अलग होता है, तो जाहिर है बुद्धि के मापने का कोई पैमाना भी होगा। साल 1912 में प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक विलियम स्टर्न ने बौद्धिक क्षमता मापने के पैमाने आईक्यू यानी इंटेलीजेंस कोशेंट का कॉन्सेप्ट दिया।

आईक्यू बताता है बौद्धिक क्षमता

आईक्यू पैमाने के मुताबिक हर व्यक्ति की मानसिक क्षमता का अलग-अलग स्कोर होता है। यही स्कोर या संख्या बताती है कि कोई व्यक्ति अपने समूह के दूसरे लोगों के मुकाबले कम बुद्धिमान है या ज्यादा। हालांकि बुद्धि की गणना का यह पैमाना अकसर विवादों में भी घिरता रहता है, क्योंकि जहां इस पैमाने के तहत महान वैज्ञानिक आइंस्टीन का आईक्यू 160 और न्यूटन का आईक्यू 190 माना जाता है, वहीं 1898 में न्यूयॉर्क (अमेरिका) में जन्मे विलियम जेम्स का आईक्यू 250 से 300 के बीच माना जाता है। दरअसल, अगर किसी व्यक्ति का आईक्यू 145 से 160 के बीच होता है, तो उसे जीनियस कहा जाता है। लेकिन विलियम जेम्स का आईक्यू तो 250 से 300 के बीच था, फिर उसे किस श्रेणी में रखा जाए? जेम्स में निःसंदेह असाधारणता के कुछ गुण थे। मसलन, 18 माह की आयु में ही उसने न्यूज पेपर पढ़ना शुरू कर दिया था, 9 साल की उम्र में उसने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में दाखिला ले लिया था। माना जाता है कि उसने 40 भाषाओं में मास्टर डिग्री हासिल की थी। लेकिन इन कुछ चमत्कार से लगने वाले व्यक्तिगत गुणों के अलावा जेम्स के नाम कोई ऐसी खोज नहीं है, जिसने दुनिया को बदलकर रख दिया हो, जैसे आइंस्टीन और न्यूटन ने किया। बहरहाल, इस बहस के बावजूद यह भी तय है कि किसी और सटीक पैमाने के ना होने के कारण बुद्धिमत्ता को कोशेंट के पैमाने से तो परखना ही पड़ेगा।

मानसिक क्षमता के अन्य पैमाने

पिछले कुछ दशकों में अकेला आईक्यू ही किसी की मानसिक क्षमता को परखने का एकमात्र पैमाना नहीं रहा, क्योंकि मानसिक क्षमताओं की भी अलग-अलग परिस्थितियों में अलग- अलग तरह से परख होती है। इसलिए अब अलग-अलग मौकों में बुद्धिमत्ता की परख के लिए विभिन्न पैमाने भी इस्तेमाल में लाए जाते हैं। मसलन, आईक्यू के अलावा ईक्यू यानी इमोशनल कोशेंट। एसक्यू यानी सोशल कोशेंट और अब हाल के दिनों में बुद्धिमत्ता का एक नया पैमाना, जो पूरी दुनिया में काफी चर्चा में है, वह है एक्यू यानी एडवर्सिटी कोशेंट।

इन दिनों चर्चा में है एक्यू

एडवर्सिटी कोशेंट का मूल अर्थ, बुरे वक्त में दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है। यानी, कठिन समय में आप किस कुशलता से अपने को संभालते हुए सही निर्णय लेते हैं, किस कुशलता से अपने काम को अंजाम देते हैं? दरअसल, एक्यू का अर्थ ऐसे समय पर दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है, जब वाकई बहुत बुरा वक्त हो और सामान्य व्यक्ति को उससे निकलने का कोई उपाय ना सूझे। एडवर्सिटी कोशेंट, इन दिनों खूब चर्चा में है और हाल-फिलहाल में यह किसी इंसान की बौद्धिक परख का सबसे निर्णायक पैमाना माना जाने लगा है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि किसी व्यक्ति में चुनौतियों से निपटने की कितनी कुशलता है, इसकी सबसे अच्छी परख उसके बुरे वक्त पर ही होती है। क्योंकि बुरे वक्त पर ज्यादातर लोग बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार नहीं कर पाते। इसे इस तरह से समझ लीजिए कि कई बहुत अच्छे और सज्जन लोग भी गुस्से के समय पूरी तरह से अपना आपा खो देते हैं और वह उतनी ही बुरी तरह से लड़ते है, जितनी बुरी तरह से आम गैर पढ़े-लिखे लोग लड़ते हैं या दूसरे शब्दों में नासमझ लोग जिस तरह से बुरे समय में व्यवहार करते हैं, वैसा ही व्यवहार कई अच्छे लोग भी अपने बुरे वक्त में करते हैं। इसलिए एक्यू की कसौटी पर ऐसे लोगों को बुद्धिमान नहीं माना जा सकता है।

बुरे दौर से निकलने की क्षमता

एडवर्सिटी कोशेंट, वास्तव में प्रतिकूलता का गुणांक होता है। हर व्यक्ति अपने सामने आई चुनौतियों से निपटने का कोई ना कोई तरीका अपनाता है। जिस व्यक्ति का ऐसी चुनौतियों से निपटने का तरीका सबसे कारगर और मौजूदा परिस्थितियों में सबसे प्रभावी होता है, वास्तव में वही बुद्धिमान होता है। इसलिए देखने में आता है कि कई सफल लोग भले सामान्य परिस्थितियों में ज्यादा कुछ ना बोलें, बढ़-चढ़कर अपनी समझदारी ना दिखाएं, लेकिन जब बुरा वक्त आता है तो वे बहुत ही बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से उस बुरे वक्त से बाहर निकल आते हैं। माना जाता है कि कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर आईक्यू बहुत महत्वपूर्ण नहीं होता, क्योंकि यहां तक अगर कोई पहुंचा है तो उसकी दिमागी क्षमता सामान्य लोगों से तो ज्यादा होगी ही। इस स्तर पर ईक्यू भी बहुत महत्वपूर्ण नहीं रह जाता, क्योंकि सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर या बहुत ऊंचे पायदान पर भावनाएं बहुत मायने नहीं रखती हैं और इस स्तर पर सामाजिकता भी कम से कम उतनी अर्थपूर्ण नहीं रहती, जितनी निचले स्तर के लोगों के लिए सामाजिकता की कीमत होती है।

सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंचकर अगर आप अचानक परेशानियों से घिर गए हैं, चुनौतियों में उलझ गए हैं, तो ऐसे वक्त पर प्रतिकूलता के दौरान दिखाई गई बुद्धिमत्ता ही एकमात्र वह गुण होगा, जिसके जरिए आप इस कठिन समय से बाहर आएंगे और बुद्धिमत्ता की जिस तरकीब के जरिए आप बुरे वक्त से बाहर निकलेंगे, वह तरकीब ही साबित करेगी कि आपमें प्रतिकूल समय से बाहर निकलने की कितनी क्षमता है?

सबसे महत्वपूर्ण बन गया एक्यू

पिछले कुछ दशकों में अलग-अलग बुद्धिमत्ता पैमाने पर लोगों की प्रतिभा को कसने के बाद अब मनोवैज्ञानिक निर्णायक रूप से इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि जिंदगी में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण कठिन समय में दिखाई गई कुशलता या बुरे वक्त की वह बुद्धिमत्ता ही होती है, जिसकी बदौलत कोई व्यक्ति अपने बुरे दिनों से बाहर आता है। यह कुशलता कई तरह से व्यक्त होती है। अपने लिए सहानुभूति हासिल करके, आत्म-जागरूकता की ऊंचाईयां छूकर, जबरदस्त अनुशासन या आत्मसंतुलन का मादा दिखाकर, प्रेरणा के सबसे ऊंचे पायदान पर खड़े होकर प्रेरित होने और सामाजिक रूप से हर पैमाने पर कुशल साबित होने से यह बुद्धिमत्ता विजयी कौशल बनकर सामने आती है।

दरअसल, हाल के दशकों में दुनिया में लोगों के पास संपत्ति चाहे जितनी बढ़ी हो, विकास चाहे जिस पैमाने पर पहुंचा हो, लेकिन सच्चाई यह है कि अब से ज्यादा निराशा, तनाव, बेचैनी और पराजयबोध किसी भी दूसरे दौर में नहीं देखा और महसूसा गया। इसलिए आज आर्थिक रूप से और परचेजिंग पावर (क्रयशक्ति) के पैमाने पर भले लोग ज्यादा खुशहाल दिखें, लेकिन मानसिक स्तर पर आज कहीं ज्यादा लोग परेशान हैं और यह मानसिक परेशानी ही है, जो पुराने वक्त के मुकाबले आर्थिक रूप से ज्यादा खुशहाल होने के बावजूद हमें निराशा और तनाव से हमेशा दो-चार रखती है। ऐसी स्थितियों में इन परेशानियों से बाहर आना ही वास्तव में बुद्धिमत्ता की निशानी है। इसलिए आज एडवर्सिटी कोशेंट या कठिन समय से कुशलतापूर्वक बाहर निकलने को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है। *

विराट कोहली का एक्यू है हाई

कई बार हम कुछ खिलाड़ियों के बारे में यह कहा करते हैं कि यह खिलाड़ी प्रॉब्लम सॉल्वर या टफ टाइम हीरो है यानी क्राइसेस के समय ही इसकी क्षमताएं निकलकर बाहर आती हैं। जाहिर है, ऐसा खिलाड़ी टीम के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। उदाहरण के लिए हाल में भारत द्वारा जीते गए टी-20 विश्व कप के पूरे टूर्नामेंट में विराट कोहली बहुत अच्छा नहीं खेल पाए थे। लेकिन ज्यादातर एक्सपर्ट यह मानकर चल रहे थे कि फाइनल में विराट कोहली जरूर चलेंगे, उनका बल्ला बोलेगा और एक्सपर्ट यह भी कह रहे थे कि अगर फाइनल में विराट कोहली नहीं चले तो भारत का जीतना मुश्किल होगा। देखा जाए तो सबकुछ ऐसा ही हुआ। फाइनल में विराट कोहली ने 59 गेंदों में शानदार 76 रन बनाए और उन्हीं के रनों की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 177 रनों का टारगेट दिया। अगर कोहली ने इस निर्णायक मैच में यह बेहतरीन ईनिंग ना खेली होती तो भारत का जीतना बहुत मुश्किल था। इससे प्रूफ हो गया कि विराट कोहली का एक्यू कितना हाई है!

लाइफ को बेचैन बना रहे अनलिमिटेड ऑप्शंस

तकनीकी विकास और बेशुमार सुविधाओं ने जीवन को कई मायने में आसान और आरामतलब तो बनाया है। लेकिन इसके साथ ही अनलिमिटेड ऑप्शंस की भरमार, हमारी मानसिक शांति को हमसे छीन रही है, हमें बेचैन बना रही है।

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

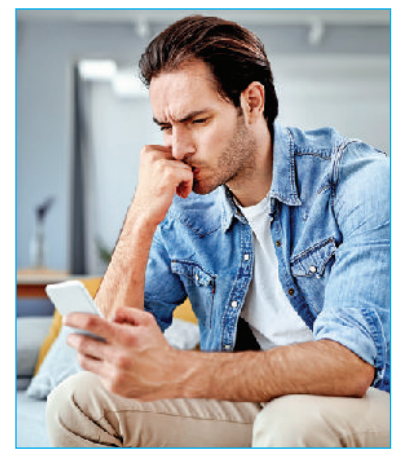

कई वर्किंग यंगस्टर्स अकसर फूड डिलीवरी एप्स पर पसंदीदा भोजन और रेस्टोरेंट की सर्चिंग के लिए लंबा समय बर्बाद करते और परेशान होते दिखते हैं। बहुत सोच-समझ कर मंगाने के बाद भी वे इस खाने से असंतुष्ट होते दिखते हैं। कई बार तो वे इस बात का निर्णय लेने में काफी वक्त बर्बाद कर देते हैं कि ओटीटी पर कौन-सा शो या मूवी देखी जाए। लेकिन इन्हें हमेशा लगता है कि काफी वक्त और ऊर्जा खर्च करने के बाद उन्होंने जो निर्णय लिया वह बिल्कुल गलत था।

बेवजह की बेचैनियों से परेशानः आजकल के कई यंगस्टर्स, दिनभर बेवजह परेशान, हैरान और उलझन में दिखते हैं। उनके चेहरे पर तनाव, झुंझलाहट और व्यग्रता का अंदाजा कोई भी समझदार आसानी से लगा सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इन बेचैनियों में से ज्यादातर बहुत बचकाने कारणों से होती हैं। ये हालात सिर्फ युवाओं के ही नहीं, इसके शिकार कुछ हद तक अब प्रौढ़ भी होने लगे हैं। अचरजकारी बात यह है कि हम अपनी जिंदगी के महत्वपूर्ण और कठिन निर्णयों को अकसर मामूली समझने लगे हैं। शादी के लिए या फिर जॉब चुनने में लोग ज्यादा वक्त और ऊर्जा भले ना लगाएं पर मामूली निर्णयों को जरूरत से ज्यादा तवज्जो देने लगे हैं। फैशन की होड़ और बेकार की जोड़-तोड़ के जंजाल में लोग ऐसे फंसे हैं कि अपनी मानसिक शांति खोते जा रहे हैं।

वजह हैं ज्यादा ऑप्शंसः क्या आपने सोचा है कि इतनी बेचैनियों की वजह क्या है? सबसे बड़ी वजह है, ज्यादा ऑप्शंस की मौजूदगी। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां सब कुछ बहुतायत में उपलब्ध है। सुविधाएं अंतहीन हैं और बाजार ढेर सारे विकल्पों से भरे पड़े हैं। यही अधिकता, हमारी मानसिक अशांति, चिंता, दुख, बेचैनी और अवसाद की सबसे बड़ी वजह है।

असल में आज की तारीख में हमें सबसे ज्यादा परेशान वह चीज करती है, जिसे हम खरीद नहीं पाए। इंटरनेट पर सर्चिंग हो, आइसक्रीम पार्लर हो, फिटनेस एप्स हो, मूवी थिएटर हो, साड़ी की दुकान हो या टूथब्रश, साबुन, शैंपू जैसी रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजें, हमारे सामने इतने विकल्प होते हैं कि हम कंफ्यूज और बेचैन हो जाते हैं कि आखिर इनमें से कौन-सा चुनें। कई बार हालत यह हो जाती है कि जो टीवी हमने लिया उससे अलग दूसरे के पास है और उसमें कोई एकाध फीचर भी अलग है, जो भले ही काम का नहीं है तो भी हम बेचैन हो जाते हैं।

पहले हम रहते थे सुकून सेः आज से कोई 15-20 साल पहले हर चीज के सीमित विकल्प होते थे। शादी में खाने के आइटम गिनती के होते थे, फिल्में थोक भाव से नहीं आती थीं बल्कि महीने में जो एक आध फिल्म आती थी, वही खूब चलती थी। सामाजिक स्तर पर दिखावा आज जैसा नहीं था। तब हम एक उपभोक्ता के रूप में इतने बेचैन, दुखी और कंफ्यूज बिल्कुल नहीं रहते थे। कमरे में फर्नीचर के नाम पर गद्देवाला बेड और अलमारी होती थी, जिसमें पूरा परिवार अपने कपड़े रखता था। आइसक्रीम या चॉकलेट की कुछ वैराइटीज होती थीं। कभी-कभी उन्हें खाकर ही बड़ा आत्मसंतोष होता था। लेकिन अब इन चीजों को चुनने के लिए भी काफी माथा-पच्ची करनी पड़ती है।

ज्यादा ऑप्शंस करते हैं परेशानः 'एज ऑफ अबेंडंस' यानी 'बहुतायत के युग का जीवन पर प्रभाव' पर अध्ययन करने वाले सोशल साइंटिस्ट कहते हैं कि विकल्पों की यह बहुतायत सुखी और खुशहाल करने के लिए बिल्कुल भी जरूरी नहीं है। जरूरत से ज्यादा विकल्पों की उपलब्धता, इंसानी दिमाग को पैरालाइज कर सकती है। जिससे अंत में हम वह खरीद लेते हैं, जो हमारे लिए ठीक नहीं होता। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक और सोशल थ्योरी के प्रोफेसर बेरी श्वार्टज ने अपनी पुस्तक 'पैराडॉक्स ऑफ चॉइस' में कुछ ऐसा ही लिखा है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के लॉ स्टूडेंट पेटे डेविस ने 'व्हाट नेटफ्लिक्स टॉट मी अबाउट लाइफ' विषय पर अपने स्पीच में कहा कि ब्राउजिंग की स्वतंत्रता ने यूथ का चैन छीन लिया है। आधे घंटे तक विभिन्न फिल्मों की सर्फिंग और सर्चिंग करने के बाद वे कोई फिल्म नहीं देखते और कंफ्यूज होकर बैठ जाते हैं। आपने देखा होगा कि जिन रेस्टोरेंट में आपको डिशेज के बहुत सारे विकल्प मिल जाते हैं, वहां निर्णय लेने में काफी देर लग जाती है और तब तक आप की भूख मर जाती है। जबकि सीमित विकल्पों वाली जगह आप ज्यादा अच्छी तरह संतुष्ट होकर भोजन कर सकते हैं।

स्मार्टफोन के दर्जनों ऑप्शंस हैं। एप्स के पचासों ऑप्शंस हैं। शॉपिंग के अनगिनत विकल्प हैं। ये ऑप्शंस ही हमें परेशान करते हैं।

टफ बन रहा जीवन : ज्यादा विकल्पों ने हमारा जीवन कुछ मामलों में आसान भले ही बनाया हो लेकिन हकीकत यह है कि इन्होंने जीवन को पहले से ज्यादा टफ बनाने के साथ-साथ हमारी शारीरिक-मानसिक क्षमता पर जंग लगाने का भी काम किया है। हमें चिढ़न होती है, जब भारी मशक्कत के बाद चुनी गई वस्तु, आउट ऑफ स्टॉक होने के कारण हमें नहीं मिल पाती जबकि हमारे किसी मित्र को वह मिल जाती है। हमारी सारी शारीरिक-मानसिक ऊर्जा इस बात पर खर्च हो रही है कि हम दूसरे से बेहतर, होशियार और आगे कैसे नजर आएं बजाय अपनी जरूरत पर आधारित अपनी बेहतरी के प्रयास के, हम इन अर्थहीन मसलों में उलझे रहते हैं।

कहने का सार यही है कि शांतिपूर्ण और सुकूनदायक जिंदगी के लिए ज्यादा ऑप्शंस के मोहजाल से बचे रहना जरूरी है। *

गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

नहीं होता जहां कुछ भी

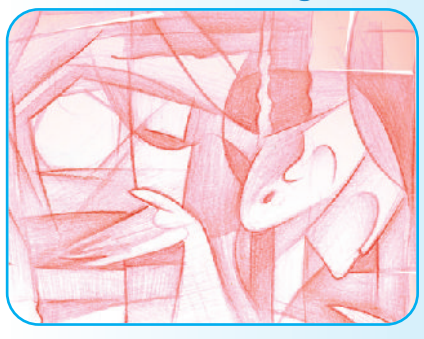

नहीं होता जहां कुछ भी ख़याले-ख़ाम होता है
उसे सुनता नहीं कोई जो किस्सा आम होता है
तुम्हारी बज़्म में जाने से मेरा कद नहीं बढ़ता
मेरे आने से महफिल में तुम्हारा नाम होता है
अजब दस्तूर है दीपक तले पलता है अंधियारा
किसी की जान जाती है किसी का काम होता है
हकीकत आ ही जाती है निगाहों में जमाने की
बुराई का हमेशा से बुरा अंजाम होता है
फकत इज्जत की खातिर बोली जाती हैं कई बातें
वहां मुद्दा नहीं रहता जहां कुहराम होता है
भले बनकर रहा करते हैं मीठा बोलने वाले
खरा कहता है, जो अकसर वही बदनाम होता है
उन्हें अफसोस होगा जो कभी मुझसे न मिल पाए
मेरी हर बात पे 'नवरंग' कोई पैगाम होता है

कहानी / सरस्वती रमेश

आज डॉक्टर गुप्ता की क्लीनिक में बहुत भीड़ थी। सामने बेंच पर एक महिला बैठी हुई थी। उसकी साड़ी एकदम मलिन थी, हाथ-पैर धूल में नहाए। लग रहा था कोई मजदूर है। कहीं से काम करके लौटी है। उसकी गोद में एक चार-पांच साल का बच्चा था। बच्चा एकदम सुस्त पड़ा था। डॉक्टर गुप्ता ने बच्चे की नाड़ी देखी। आंखों की पुतलियां जांचकर बोले, 'दस्त से शरीर में पानी की कमी हो गई है। ग्लूकोज चढ़ाना पड़ेगा।'

डॉक्टर की बात सुनकर महिला सहम-सी गई। एक पल ठिठक कर उसने सकुचाते हुए पूछा,'कितने पैसे लगेंगे डॉक्टर साहब?'

'दो सौ रुपए ग्लूकोज के और दवाइयों के अलग से।' डॉक्टर ने बताया। 'हमारे पास तो बस सौ रुपए हैं।' महिला मुट्ठी में रुपए दबाए हुई थी। उसके चेहरे पर चिंता की लकीरें उभर आई थीं।

'तो और पैसे घर से ले आओ।' डॉक्टर सख्त लहजे में बोला और दूसरा मरीज देखने लगा।

'तुम बालमुकुंद की घरवाली हो ना?' डॉक्टर की बात सुनकर पास खड़े एक व्यक्ति ने महिला से पूछा। उसने सिर हिला कर हामी भरी और उस व्यक्ति से पूछा, 'आप कौन?'

'मेरा नाम विमल है। मैं बालमुकुंद को जानता हूं। वह राज मिस्त्री है ना। मेरा घर उसी ने बनाया था। आजकल कहां है वह, दिखाई नहीं देता?' विमल ने पूछा।

'उनके पैर पर लेंटर गिर पड़ा था। पैर की हड्डी कई जगह से टूट गई है। दो महीने से खाट पर पड़े हैं।' महिला बहुत ही दुखी स्वर में बोली। 'अरे ! यह तो बड़े तकलीफ की बात है। ये बच्चा तुम्हारा है?' विमल ने बच्चे की ओर इशारा करके पूछा।

'हां, ये हमारा बेटा है। इसकी तबीयत बहुत खराब है।' कहकर महिला रुआंसी हो गई।

सबसे बड़ा है प्रेम, दया-करुणा का इंसानी रिश्ता। बरसों पहले इसी रिश्ते का बीज बोया था विमल ने। उन्हें क्या पता था कि अनजाने में बोए इस बीज के अंकुर एक दिन तब फूटेंगे, जब उन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत होगी। मानवीय रिश्तों पर आधारित दिल को छूने वाली कहानी।

करुणा का बीज

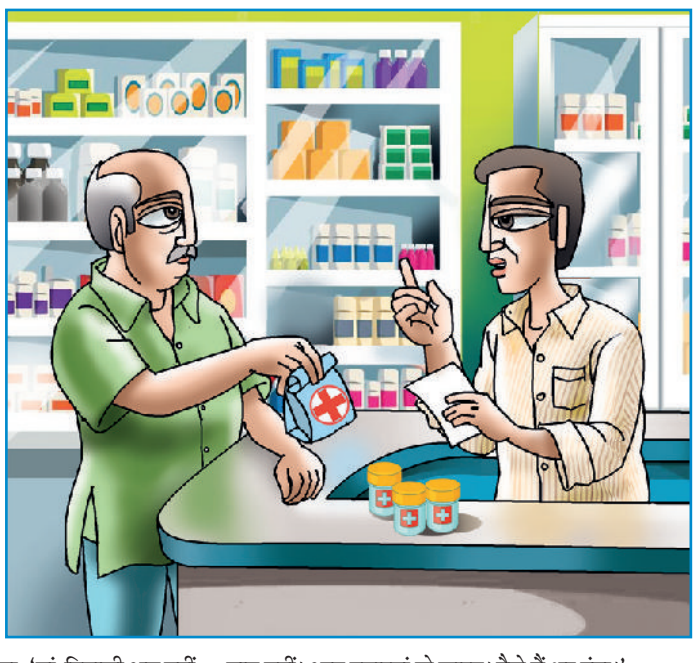

विमल को महिला की स्थिति पर बहुत दया आई। वह जानते हैं, बालमुकुंद अच्छा मिस्त्री ही नहीं, एक अच्छा इंसान भी है। हाथ में हुनर है लेकिन बेचारा आजकल खाट पर पड़ा है। विमल समझ गए, घर चलाने के लिए जरूर बालमुकुंद की घरवाली लेबर का काम कर रही है। विमल ने डॉक्टर से कहा, 'आप इस बच्चे का इलाज करिए, पैसे मैं दूंगा।'

डॉक्टर बच्चे का इलाज करने के लिए राजी हो गया। विमल डॉक्टर के बताए पैसे देकर चले गए। इस बात को बीस वर्ष बीत गए। विमल अब बूढ़े हो चुके थे। उनके कोई संतान नहीं थी। वह पत्नी के साथ रहते थे। वृद्धावस्था का एकमात्र सहारा उनकी छोटी सी पेंशन थी। लेकिन दोनों बुढ़ापे के रोगों से परेशान रहते थे। पेंशन उनकी दवाइयों और घर खर्च के लिए काफी नहीं थी। एक दिन विमल मेडिकल स्टोर से दवाइयां खरीद रहे थे, तभी वहीं मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले एक युवा पर उनकी नजर ठहर गई। बिल्कुल बालमुकुंद के जैसी कद काठी, नयन-नक्श भी वही। विमल ने उस युवक से पूछ ही लिया, 'तुम बालमुकुंद के बेटे हो?'

'हां, अंकल, आप कौन हैं?' उस युवक ने पूछा।

विमल ने बताया, 'मैं तुम्हारे पिता को जानता हूं। उन्होंने बरसों पहले मेरा घर बनाया था। मेरा नाम विमल है।'

'आप वही विमल अंकल हैं, जिन्होंने बचपन में एक बच्चे का इलाज करवाया था?'

एक क्षण विचारमग्न होने के बाद विमल ने मुस्कुराते हुए हां में सिर हिला दिया।

युवक हंसते हुए बोला, 'मैं वही बच्चा हूं, कृष्णा। बालमुकुंद जी का बेटा।'

'अरे! तुम तो बहुत बड़े हो गए।' विमल ने युवक को ध्यान से ऊपर से लेकर नीचे तक देखा।

कृष्णा बहुत भावुक हो गया, बोला, 'मां-पिताजी अब नहीं रहे। मां बताया करती थीं कि उस समय मैं आपकी वजह से जीवित बच पाया था। पिताजी आपको बहुत नेक इंसान मानते थे। अंकल आपको क्या चाहिए हमें बताइए?'

विमल हड़बड़ा गए। अपने थैले से दवाई की पर्ची निकालकर बोले, 'बेटा, ये दवाइयां दे दो।'

कृष्णा ने पर्ची देखकर दवाइयां निकाल दीं। साथ में 570 रुपए का बिल पकड़ा दिया। विमल अपनी दायीं-बायीं, ऊपर नीचे की सारी जेबें टटोल कर पैसे निकालने लगे, लेकिन सारे पैसे निकालने के बाद भी पैसे पूरे नहीं पड़े। कृष्णा को यह बात समझते देर ना लगी। वह विमल से बोला, 'अंकल, कोई बात नहीं। आप दवाइयां ले जाइए। पैसे मैं भर दूंगा।'

'अरे नहीं बेटा, मैं दवाइयां बाद में ले जाऊंगा।' विमल झेंप रहे थे। कृष्णा ने जबरदस्ती विमल को दवाइयां पकड़ा दीं। साथ में अपना मोबाइल नंबर देते हुए बोला, 'अंकल, आपको जब भी किसी दवाई की जरूरत पड़े, आप मुझे फोन कर दीजिएगा। यहां आने की आपको जरूरत नहीं है। और ना आप पैसों की चिंता करना। मैं हूं ना, आपके बेटे के समान हूं। आपके घर दवा पहुंचा दूंगा।' यह सुनकर विमल की आंखें भर आईं। बीस साल पहले अनजाने ही एक रिश्ते का बीज पड़ गया था। अब वह अंकुरित होकर बाहर झांक रहा था, पल्लवित-पुष्पित होने के लिए। *

बारिश के मौसम में केरल के विभिन्न इलाकों में आयोजित होने वाली सर्प नौका दौड़, अपने अनोखेपन के कारण विश्वविख्यात है। इस सांस्कृतिक आयोजन में गीत-संगीत की मधुरता के साथ ही खेल का रोमांच भी शामिल होता है। इसे देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इसकी विशिष्टताओं पर एक नजर।

अनोखी-मनोहारी केरल की नौका दौड़

{ कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक }

अपने देश के दक्षिणी राज्य केरल में मानसून शुरू होते ही, मनोहारी सर्प नौका दौड़ के आयोजन शुरू हो जाते हैं। इस साल पिछले महीने 22 जून 2024 से उसका आगाज हो चुका है और अब यह सितंबर 2024 तक पूरे केरल में अनेक जगहों पर भव्यता के साथ संपन्न होती रहेगी। इन्हें देखने के लिए यहां देश-विदेश के लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

गीत-संगीत-खेल की जुगलबंदी

'चुंडनवल्लम' या 'स्नेक बोट' वास्तव में फुंफकारते सांप सी दिखने वाली एक लंबी पारंपरिक डोंगी शैली की नाव होती है, जो अमूमन 100 से 120 फीट तक लंबी होती है। इन नौकाओं पर 4 नाविक-गायकों के समूह से लेकर 100-125 नाविक-गायक तक सवार हो सकते हैं। नौका दौड़ के दौरान, नाविक नदी या बड़ी-बड़ी झीलों में बहुत तेज गति से नाव भगाते हैं। इस दौरान उन नावों पर सवार गायक और नाविक, केरल के पारंपरिक वाद्ययंत्रों की संगत में 'वंचिपट्टू' यानी सामूहिक लय वाला नौका गीत गाते हैं। यह गायन नाविकों का उत्साह बढ़ाने के लिए होता है। इस नौका दौड़ में गायक और नाविक अकसर एक ही होते हैं, इसलिए कोई नाविक, नाव चलाते (खेते हुए) हुए अगर महसूस करता है कि उसकी तरफ का गीत-संगीत कमजोर हो रहा है, तो वह कोई वाद्य बजाने लगता है। इसी तरह जरूरत पड़ने पर कोई कलाकार गाना या बजाना छोड़कर, चप्पू थामकर नाव चला सकता है, ताकि प्रतिद्वंद्वी नाव से उसकी नाव पीछे ना रहे। इस दौरान गीत-संगीत और खेल की जुगलबंदी देखते ही बनती है।

सदियों पुरानी परंपरा

केरल में सर्पिल नौका दौड़ के आयोजन की सदियों पुरानी परंपरा है।

माना जाता है कि करीब 400 सालों से केरल में स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जा रहा है। इसके शुरू होने के पीछे एक प्रसिद्ध किंवदंती यह है कि प्राचीनकाल में विभिन्न रियासतों के राजा, एलेप्पी (अलप्पुझा) और उसके आस-पास के इलाकों के जलमार्गों का इस्तेमाल, एक-दूसरे के विरुद्ध लड़ने के लिए करते थे। इन जलयुद्धों के दौरान वे एक-दूसरे पर भारी पड़ने के लिए सटीक हल्की और पानी को तीव्रता से काटने वाली डोंगीनुमा नावों का इस्तेमाल किया करते थे, जिनका अगला सिरा फुंफकारते सांप के फन जैसा बनाया जाता था और इसे खूंखार दर्शाने के लिए इसे लाल, काले और गेरुए रंग से रंगते थे। धीरे-धीरे ये जलयुद्ध तो खत्म हो गए, लेकिन बेहतरीन नाव वास्तुकारों के द्वारा बनाई गई स्नेक बोट बची रहीं, जिनके चलते इस आधुनिक स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जाने लगा। इसके जरिए लोगों ने सालों में विकसित हुई इस कुशलता की परंपरा को बरकरार रखा और रेस के जरिए हार-जीत के रोमांच को भी इसमें शामिल कर लिया। इस तरह धीरे-धीरे हर साल मानसून के महीनों में जून के अंतिम या जुलाई के पहले सप्ताह से लेकर सितंबर तक सर्प नौका दौड़ों और बेहतरीन सांस्कृतिक संगीत के आयोजन की परंपरा शुरू हो गई।

विशिष्ट होते हैं चार आयोजन

वैसे तो पूरे केरल में जगह-जगह स्थानीय सर्प नौका दौड़ आयोजित होती हैं। लेकिन जिन चार सर्प नौका दौड़ों को केरल सहित पूरी दुनिया में बहुत उत्सुकता से देखा और इंतजार किया जाता है, वे हैं- चंपाकुलम सर्प नौका दौड़, नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस, अरनमुला स्नेक बोट रेस और पयिप्पड़ जलोत्सवम। मानसून की शुरुआत में सबसे पहले चंपाकुलम नौका दौड़ शुरू होती है। यह सबसे प्राचीन और लोकप्रिय स्नेक बोट रेस है। इस स्नेक बोट रेस में, अंबलप्पुषा के श्रीकृष्ण मंदिर में भगवान की मूर्ति की स्थापना का जश्न मनाया जाता है। इस जश्न के दौरान 25 किलोमीटर की यह सर्प नौका दौड़ भी आयोजित की जाती है, जो एलेप्पी से शुरू होकर चंपक्कुलम नदी में चंगनास्सेरी तक जाती है। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक उमड़ते हैं। इसके अलावा नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस का आरंभ 1952 में हुआ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पुन्नमदा झील में आयोजित इस रेस को देखने आए थे। तभी से यह नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस आयोजित की जा रही है। तीसरी मशहूर स्नेक बोट रेस अरनमुला की है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की दो दिवसीय धार्मिक उत्सव की परंपरा शामिल है। यह त्रिवेंद्रम से 116 किलोमीटर दूर आयोजित होती है। चौथी स्नेक बोट रेस, पयिप्पड़ जलोत्सवम है। यह भी एलेप्पी से 35 किलोमीटर दूर संपन्न किया जाता है।

इस तरह मानसून के दौरान पूरे केरल में चारों तरफ स्नेक बोट रेस का रोमांच दिखाई पड़ता है। *

उत्साह से हिस्सा लेते हैं स्थानीय लोग

लहराते ताड़ के पेड़ों, नदियों, झीलों, आवासीय परिसरों के पीछे शांत बैक वाटर्स और इस तरह की विविध जलराशियां, जो पूरे केरल में हर ओर बिखरी हुई हैं, उन सबमें मानसून के आते ही सर्प नौका दौड़ की रौनक और उत्साह नजर आने लगता है। अपनी सांस्कृतिक आयोजन की धरोहर को संजोने के लिए स्थानीय लोग पूरे उत्साह-उमंग से इसमें हिस्सा लेते हैं। केरल का अनेक गांव के निवासी इस मौके पर अपनी शक्ति और संगीत परंपरा में दक्षता साबित करने के लिए अपनी-अपनी नावों के साथ इस सर्प नौका दौड़ में शामिल होते हैं और इससे बहुत गर्व महसूस करते हैं। मानसून के आते ही पूरे केरल में स्नेक बोट रेस की मस्ती और धूम छा जाती है। पिछले कुछ दशकों से इस मस्ती और उत्सव का हिस्सा बनने के लिए देश के विभिन्न कोने सहित विदेश से भी लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

{ मनी मैटर्स / शैलेंद्र सिंह }

क्रेडिट स्कोर तीन अंकों की एक ऐसी संख्या है, जो आज की तारीख में हमारे फाइनेंसियल स्टेटस और क्रेडेबिलिटी का पैमाना बन चुका है। अगर आप क्रेडिट कार्ड या लोन लेना चाहते हैं तो क्रेडिट स्कोर के बारे में सब कुछ पता होना चाहिए।

फाइनेंसियल क्रेडेबिलिटी का क्राइटेरिया है क्रेडिट स्कोर

आज की तारीख में आप चाहे निम्न मध्यवर्ग के हों, मध्यवर्ग के हों या उच्च मध्यवर्ग के। किसी भी वर्ग के हों, लेकिन बिना बाजार से लोन लिए प्रायः जिंदगी सहजता या कहें सभी सुख-सुविधाओं से नहीं चलती। आज जिंदगी का चक्र कुछ इस तरह का हो गया है कि लोन के दरवाजे से होकर गुजरना ही पड़ता है। चाहे बच्चों को पढ़ाना हो, चाहे घर बनाना हो, चाहे सोशल स्टेटस के लिए कार खरीदनी हो, घर सजाना हो, बिजनेस करना हो या कुछ भी ऐसा काम, जिसमें एक ठीक-ठाक पूंजी की जरूरत होती है, वह पूंजी अब हमें आसानी से लोन के जरिए महज कुछ शर्तों पर उपलब्ध हो जाती है। लेकिन यह सुविधा उन्हीं के लिए बहुत सहज रूप से उपलब्ध है, जिनका क्रेडिट स्कोर अच्छा होता है।

गुड क्रेडिट स्कोर के फायदेः बैंक और वित्तीय कंपनियों की नजर में जो अच्छे उधार लेने वाले हैं यानी उधार लेने के बाद समय पर किस्त चुकाते हैं, बिना मतलब की कोई बाधा नहीं खड़ी करते, लोन चुकाने में आना-कानी नहीं करते, जल्दी से जल्दी कर्ज चुकाने की कोशिश में लगे रहते हैं। बैंकों और वित्तीय संस्थानों की नजर में ऐसे लोग अच्छे सिबिल स्कोर या बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले और ईमानदार कर्ज लेने वाले होते हैं। ऐसे ही लोगों को बैंक और वित्तीय संस्थान बार-बार कर्ज देना चाहते हैं।

क्या है गुड-बैड क्रेडिट स्कोरः भारत में चार क्रेडिट ब्यूरो मिलकर किसी का क्रेडिट स्कोर तैयार करते हैं। इनमें एक है इक्विफिक्स, ट्रांसयूनियन सिबिल, एक्सपीरियन और सीआरआईएफ हाईमार्क। ये चार ब्यूरो किसी भी व्यक्ति के पुनर्भुगतान, लिए गए लोन की उपयोगिता, कर्ज लेने के पैटर्न और कर्ज लेने की हिस्ट्री को देखकर उसका क्रेडिट स्कोर तय करते हैं। वास्तव में क्रेडिट स्कोर 300 से 900 अंकों के बीच की संख्या होती है। इस संख्या में अगर आपका क्रेडिट स्कोर 700 है तो यह अच्छा माना जाता है। 700 से ऊपर है तो और अच्छा माना जाता है और अगर 800 या उसके पार है तब तो बहुत अच्छा माना जाता है। आपका जितना अच्छा क्रेडिट स्कोर होगा, बैंक आपको उतने ही कम ब्याज दर पर कर्ज देने का प्रस्ताव देंगे और जितना कम क्रेडिट स्कोर होगा, आपको उतनी ही ज्यादा ब्याज दरों पर कर्ज मिलेगा। अगर आपका क्रेडिट स्कोर उच्चतम श्रेणी यानी 760 से 850 के बीच में है तो आपसे लोन देने वाला अधिकतम 3.307 प्रतिशत ब्याज ले सकता है। मतलब यह कि आरबीआई के रेपो रेट से आपको 3.307 प्रतिशत और ब्याज दर देनी होगी। मान लीजिए रेपो रेट 3.5 प्रतिशत है तो आपको बैंक कुल 6.3 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण दे देंगे। लेकिन जिसका स्कोर सिर्फ 300 से 500 के बीच होता है, उन्हें अव्वल तो लोन नहीं मिलता, बहुत मुश्किल से अगर मिलता भी है, तो काफी महंगी दरों पर मिलता है।

कैसे बनाएं अच्छा क्रेडिट स्कोरः अब सवाल है कि आखिर बेहतर क्रेडिट स्कोर या बेहतर सिबिल स्कोर कैसे बनाएं? बेहतर क्रेडिट स्कोर के लिए अपने क्रेडिट कार्ड का बिल समय से भरें। अगर कोई मासिक लोन की किस्त चल रही है तो उसे ना सिर्फ नियमित रूप से दें बल्कि समय पर दें। ऐसा ना करने पर क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां आपके क्रेडिट स्कोर को कम कर देती हैं। क्रेडिट स्कोर बेहतर बनाए रखने के लिए लोन से जुड़े आवेदन बार-बार ना करें। यदि आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं तो उसका उचित इस्तेमाल करें। अगर लोन चुकाने में असमर्थ हैं तो सेटलमेंट या समझौता कभी ना करें, इससे तात्कालिक तौर पर आपको राहत मिल जाती है, लेकिन इससे क्रेडिट स्कोर बहुत लंबे समय तक प्रभावित रहता है। *

क्लासिक पोंप डोर

{ मेल जोन / विवेक कुमार }

एक सुटेबल-परफेक्ट हेयर स्टाइल, आपको आपकी वास्तविक उम्र से 10 साल कम का दिखा सकती है। पुरुषों के लिए ऐसे ही पांच हेयर स्टाइल्स के बारे में जानिए।

यंग लुक के ट्रेंडी हेयरस्टाइल्स

अपनी रियल एज से कम का दिखना अधिकतर लोगों की चाहत होती है। ऐसे लुक के लिए आपकी हेयरस्टाइल भी बहुत मायने रखती है। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अट्रैक्टिव अंडरकटः पिछली सदी में 70 का दशक हो, 90 का दशक हो या मौजूदा दशक हो। पुरुषों का यह आकर्षक हेयरस्टाइल 'अंडरकट' बार-बार लौटकर आता है। खासकर थोड़े लंबे पुरुषों में तो यह हेयर कट एक ही शख्स की पर्सनालिटी अलग-अलग एंगल से अलग-अलग दिखाने लगता है। आपको शायद पता ना हो कि यह हेयर स्टाइल 125 साल पुराना है। साल 1900 में पहली बार यह हेयरस्टाइल जर्मनी में कुछ पुरुषों ने अपनाया था, फिर वहां से अमेरिका पहुंचा और देखते ही देखते सारी दुनिया में छा गया। अंडरकट एक एवरग्रीन हेयरकट ऑप्शन है। फुटबॉल प्लेयर डेविड बेकहम से लेकर क्रिकेटर विराट कोहली तक इसे आजमाते रहते हैं।

क्लासिक क्विफः यह भी काफी पुराना हेयरस्टाइल है। इससे पुरुषों के बाल घने दिखते हैं, क्योंकि किनारे छोटे दिखते हैं और जैसे-जैसे बाल ऊपर चलते हैं, बड़े होते रहते हैं या कम से कम इतने कि कंघी किया जा सके। भारतीय क्रिकेट टीम के बैट्समैन सूर्यकुमार यादव अकसर क्लासिक क्विफ में दिखते हैं। एक जमाने में रिकी पोंटिंग और रणवीर सिंह भी यह हेयरस्टाइल अपनाते थे। इसके लिए आपको कुछ हेयर वैक्स की आवश्यकता होती है। दरअसल, क्लासिक क्विफ एक ऐसा हेयर स्टाइल है, जिसने एक जमाने में पश्चिम में 'कल्ट' की हैसियत हासिल कर लिया था। क्योंकि इसे एल्विस प्रेसली जैसे सुपरस्टार कैरी करते थे। एल्विस के साथ रॉक बिली भी इस स्टाइल के दीवाने थे। बाद में एक लंबे समय तक यह संगीतकारों, विशेषकर युवा संगीतकारों का स्टाइल स्टेटमेंट बन गया। इससे बाल पॉलिश किए गए लगते हैं।

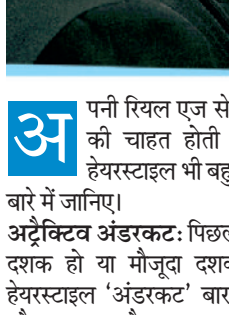

क्लासिक पोंप डोरः यूरोप में यह 1990 में और भारत में 2010 के बाद काफी लोकप्रिय हुआ। हालांकि भारत के पड़ोस, नेपाल में यह हेयर स्टाइल भारत से करीब एक दशक पहले आ गया था। किनारों और पीछे से छोटे ऊपर के बाल लंबे अंडाकार सिर में तो यह बहुत ही खास लगते हैं। अगर आपके बाल घुंघराले हैं तो भी यह स्टाइल आपके लिए खास है, लेकिन अगर सीधे और लहरदार हैं तो भी यह स्टाइल आप पर सूट करेगा। इसमें कंघी करना या यूं ही ढीला और स्टाइलिश छोड़ देना सब चलता है।

क्रू कटः पुरुषों के हेयरस्टाइल में इस स्टाइल का भी जवाब नहीं। यह वास्तव में मल्टी डायमेंशनल स्टाइल है, क्योंकि यह बूढ़ों को भी पसंद है और जवानों को भी, साथ ही टीनएजर भी इसे आजमाते हैं। इसके चलते सिर के पीछे के बाल बेहद छोटे होते हैं, साइड में छोटे होते हैं, सिर्फ खोपड़ी के 20 फीसदी हिस्से में ही बाल होते हैं। मानो हर जगह से बाल कटने के बाद यह स्टाइल पूरी कर दी गई हो। आजकल ये कैजुअल हेयरस्टाइल है, जो महिलाओं को काफी पसंद है। इसलिए भी पुरुष इसे कैरी करते हैं। क्रू कट के साथ यही अच्छी बात है कि इसे एक अच्छी जॉब करने वाला भी कैरी कर सकता है और दिनभर आम लोगों के बीच घूमने वाला व्यक्ति भी।

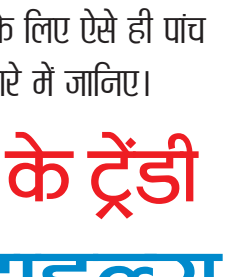

आर्मी कटः आर्मी कट को बज कट भी कहते हैं। यह भी बेहद आकर्षक, पुराना और एनर्जेटिक हेयर स्टाइल है। ज्यादातर देशों की सेना अपने जवानों के बालों को लेकर सजग रहती हैं। वह उन्हें बड़े बाल नहीं रखने देतीं, जिससे कि वे बेतरतीब और अस्त-व्यस्त ना दिखें। बज कट बहुत आसान कट भी है। इसे इलेक्ट्रिक क्लिपर्स के साथ प्रॉप किया जाता है और बालों को तेज और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए सैलून की नियमित यात्रा करनी होती है, कम से कम हर एक महीने बाद। *

{ बॉलीवुड फिल्में / डी.जे.नंदन }

फर्स्ट हाफ ईयर-2024 हिट हुईं कम-फ्लॉप हुईं ज्यादा

हिंदी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से वर्ष 2024 की पहली छमाही बहुत अच्छी नहीं रही। इस दौरान बिग स्टार्स की फिल्में तो कई रिलीज हुईं लेकिन उनमें से कुछ ही बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से हिट रहीं। जनवरी से जून तक रिलीज्ड फिल्मों के कलेक्शन पर एक नजर।

कल्कि 2998 एडी

फाइटर

कारोबार के लिहाज से बॉलीवुड के लिए साल 2024 की शुरुआत खट्टी-मीठी रही है। इस दौरान कुछ फिल्में तो हिट रहीं लेकिन ज्यादातर अपनी लागत भी नहीं निकाल पाईं।

जनवरीः 12 जनवरी 2024 को कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति स्टारर फिल्म 'मैरी क्रिसमस', जिसकी लागत 50 करोड़ रुपए थी, फ्लॉप रही। यह महज 18 करोड़ रुपए का ही कलेक्शन कर सकी। करीब यही हाल पंकज त्रिपाठी स्टारर फिल्म 'मैं अटल हूं' का भी रहा। 25 करोड़ रुपए की लागत से बनी यह फिल्म बमुश्किल 7 करोड़ रुपए भी नहीं कमा सकी। 'बॉलीवुड मूवी रिव्यूज डॉट कॉम' वेबसाइट के मुताबिक इसकी कमाई कुल 6.4 करोड़ रुपए रही। इस तरह यह फिल्म भी सुपरफ्लॉप रही। 25 जनवरी 2024 को रिलीज हुई रितिक रोशन-दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'फाइटर' हिट रही। 225 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस फिल्म ने कुल 325 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया।

फरवरीः साल का दूसरा महीना फरवरी भी कुछ ऐसा ही रहा। 23 फरवरी 2024 को यामी गौतम और प्रियामणि स्टारर फिल्म 'आर्टिकल 370' जिसकी लागत 40 करोड़ रुपए थी, देश में ही इसने 70 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली। इस फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 110 करोड़ रुपए रहा। इसी महीने आई फिल्म 'क्रैक' सुपरफ्लॉप साबित हुई। विद्युत जामवाल और जैकलीन फर्नांडिस स्टारर फिल्म 'क्रैक' की कॉस्ट करीब 80 करोड़ रुपए थी। लेकिन पूरे देश में इसका कलेक्शन 13 करोड़ रुपए भी नहीं हो सका। इससे भी ज्यादा बुरा हाल इस महीने रिलीज कई छोटी-छोटी फिल्मों का रहा। मसलन, भूमि पेंडनेकर और संजय मिश्रा की 'भक्षक', सतीश कौशिक और राज बब्बर की 'मिर्ग', अनुपम खेर और गुरु रंधावा की 'कुछ खट्टा हो जाए', ये सब फिल्में कब आईं और कब चली गईं, किसी को पता ही नहीं चला। हां, इस माह जो एक और फिल्म अच्छी चली, वह शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर 'तेरी बातों में ऐसा उलझा' रही। इसकी लागत महज 65 करोड़ रुपए थी और वर्ल्डवाइड कलेक्शन 170 करोड़ रुपए से भी ज्यादा रहा।

मार्चः अब अगर मार्च 2024 में आई ज्यादातर फिल्में, चाहे वो 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' हो, रवीना टंडन और सतीश कौशिक स्टारर 'पटना शुक्ला' हो, देवोलीना भट्टाचार्य और सोहेला कपूर स्टारर 'बंगाल 1947' हो, इन सबका बुरा हाल रहा। इस महीने अपनी लागत निकालने वाली फिल्मों में रणदीप हुड्डा और अंकिता लोखंडे स्टारर 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' और कुणाल खेमू डायरेक्टेड 'मडगांव एक्सप्रेस' रहीं। बाकी सिद्धार्थ मल्होत्रा और दिशा पाटनी स्टारर 'योद्धा' भी फ्लॉप रही, जो 55 करोड़ रुपए की लागत में बनी थी लेकिन 35 करोड़ रुपए भी नहीं वसूल कर पाई। इसी महीने रिलीज्ड तब्बू और करीना कपूर स्टारर 'क्रू' जरूर सफल रही, जो 60 करोड़ रुपए की बजट में बनी और वर्ल्डवाइड करीब 150 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इस तरह देखें तो पहले तीन महीने का रिपोर्ट कार्ड ठीक-ठाक रहा। जनवरी से मार्च 2024 के बीच आधा दर्जन से ज्यादा फिल्मों के बिजनेस से बॉलीवुड के कारोबार को बूम मिला।

अप्रैलः अब अगर अप्रैल से जून की बात करें तो कलेक्शन बेहतर होने के बजाय और बदतर हुआ। लोकसभा चुनाव, बोर्ड एग्जाम और आईपीएल के कारण कई सारी फिल्में बिना चर्चा के आईं और आकर चली गईं।

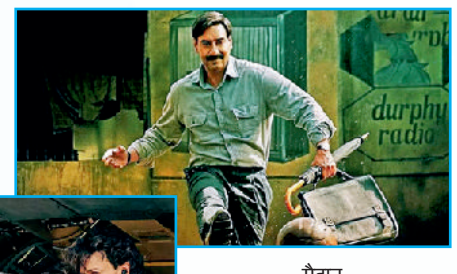

मैदान

बड़े मियां-छोटे मियां

मसलन, विद्या बालन और प्रतीक गांधी की 'दो और दो प्यार', श्रेयस तलपड़े और तनिषा मुखर्जी की 'लव यू शंकर', जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर की 'तेहरान', आयुष शर्मा और सुश्री मिश्रा की 'रुस्लान', मौनी रॉय-तुषार कपूर की 'लव सेक्स और धोखा-2' और राजपाल यादव-जिया मानेक की 'काम चालू आहे' जैसी फिल्मों की कोई खास चर्चा नहीं हुई। हां, इस महीने इम्तियाज अली डायरेक्टेड, परिणिति चोपड़ा-दिलजीत दोसांझ स्टारर पंजाबी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' की जरूर धूम रही। अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ स्टारर 'बड़े मियां-छोटे मियां' बुरी तरह फ्लॉप रही। यही हाल अजय देवगन और प्रियामणि स्टारर 'मैदान' का भी रहा।

मईः बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से मई का हाल और बुरा रहा। इस महीने में प्रतीक गांधी की 'डेढ़ बीघा जमीन', राजकुमार राव-जान्हवी कपूर की 'मिस्टर एंड मिसेज माही', अनिल कपूर-दिव्या खोसला कुमार की 'सावीः ए ब्लडी हाउस वाइफ', दीपक तिजोरी और अलंकृता सहाय की 'टिप्पसी'भी असफल रहीं। इस महीने राजकुमार राव की 'श्रीकांत', मनोज वाजपेयी की 'भैय्या जी' और श्रेयस तलपड़े की 'कर्तम भुगतम' ही ऐसी फिल्में रहीं, जो अपनी लागत निकाल सकीं।

जूनः जून 2024 की बात करें तो अमिताभ बच्चन और प्रभास स्टारर 'कल्कि 2998 एडी' बाहुबली जैसी कल्ट फिल्म साबित हुई। कमाई के लिहाज से भी और दर्शकों को अपनी तरफ खींचने के लिहाज से भी। 'कल्कि' ने महज 7 दिनों में 800 करोड़ रुपए से ज्यादा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया। इस महीने आई 'मुंज्या' भी कलेक्शन और दर्शकों की पसंदगी के लिहाज से चौंकाने वाली रही। जबकि 'शर्मा जी की बेटी', 'रौतु का राज', 'इश्क-विश्क रिबाउंड', 'हमारे बारह', 'मनिहार' और 'लव की अरेंज मैरिज' जैसी फिल्मों में से सिर्फ 'हमारे बारह' ही अपनी लागत निकालने भर की कमाई कर सकी। इस तरह देखा जाए तो मार्च के बाद अप्रैल, मई और जून में बॉलीवुड के कारोबार में पहले तीन महीनों जितनी चमक नहीं रही।

कुल मिलाकर साल 2024 के पहले छह महीनों में कमाई कम, नुकसान ज्यादा हुआ है। लेकिन जिस तरह से 'कल्कि' ने दर्शकों को रोमांचित किया, उससे लगता है कि अगले छह महीने में आने वाली कई बड़ी फिल्में बॉलीवुड के बेहतर बिजनेस की उम्मीदें पूरा करेंगी। *